हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार, 28 अप्रैल 2024

09 यूपीएससी परीक्षा पास कर पहली बार गांव लौटे ...

10 मानव जीवन की रक्षा करना ही रेडक्रॉस का उद्देश्य : सचिव

वर्धमान ज्वैलर्स
सोने व चांदी के आधुनिक आभूषणों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान
ब्रांच : नज़दीक के एम स्कूल, हांसी गेट ✆9215657444 शोरूम : घंटाघर बाजार ✆9215656444

सचिन जैन
संचालक

खबर संक्षेप

मरम्मत के चलते बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

तोशाम। रविवार 28 अप्रैल को 33केवी सब स्टेशन तोशाम से चलने वाले 11 केवी फीडर तोशाम, गुलशन नगर, वाटर वर्क्स, भूरटाना तथा नलवा आदि की बिजली आपूर्ति सुबह 9 बजे से 11 बजे तक बाधित रहेगी। निगम के सब स्टेशन इंचार्ज एवं एसएसए वजीर सिंह ने बताया कि रविवार को सुबह 9 से 11 बजे तक मरम्मत कार्य के चलते 33 केवी सब स्टेशन तोशाम से चलने वाले 11 केवी फीडर तोशाम, गुलशन नगर, वाटर वर्क्स, भूरटाना तथा नलवा आदि की बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।

कॉलेज गई युवती नहीं लौटी घर, शिकायत दर्ज

लोहारू। लोहारू के राजकीय महिला महाविद्यालय में पढ़ने वाली छात्रा वापस घन नहीं पहुंची। युवती की मां ने बेटी की गुमशुदगी की शिकायत लोहारू पुलिस थाने में दर्ज करवाई है। पुलिस को दी शिकायत में युवती की मां ने बताया कि उसकी करीब 21 वर्षीय बेटी लोहारू के राजकीय महिला महाविद्यालय में पढ़ती थी तथा हमेशा की तरह कॉलेज पढ़ने गई थी लेकिन वापस नहीं आई।

अवैध देशी शराब सहित युवक काबू , केस दर्ज

लोहारू। लोहारू भिवानी मुख्य सड़क मार्ग पर गांव ढाणी टोडा के पास पुलिस ने बाइक सवार युवक को 18 बोतल अवैध देशी शराब के साथ काबू किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि युवक बाइक पर अवैध देशी शराब ले जा रहा है, जिस पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर ढाणी टोडा नहर के पास युवक की बाइक रुकवा ली और जब तलाश ली तो उसके पास कट्टे में 18 बोतल अवैध देशी शराब बरामद हुई।

पुलिस ने सट्टा खाईवाली करते व्यक्ति को पकड़ा

तोशाम। मुखबरी के आधार पर पुलिस ने क्षेत्र के गांव मिरान से सट्टा खाईवाल कर रहे एक व्यक्ति को 25110 रुपये सहित रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मिरान में चौक पर चाय की दुकान पर लखीराम नामक व्यक्ति लोगों से सट्टा लगवा रहा है। पुलिस मौके पर जाकर छापेमारी करें तो उक्त युवक को रंगे हाथों पकड़ा जा सकता है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एक बोगस सट्टेबाज को दस रूपए के नोट का नंबर लिखकर सट्टा लगाने भेजा, जब उक्त युवक ने बोगस सट्टेबाज से दस रुपये लिए तो पुलिस ने छापेमारी कर उक्त व्यक्ति को काबू किया। पुलिस ने आरोपित से 25110 रुपये बरामद कर लिए।

पानी की कमी : एक दिन छोड़कर आएगी सप्लाई, अधिकांश इलाकों में राशनिंग शुरू

पुराने जलघर के टैंकों में बची सिर्फ गाद, सप्लाई का बाहरी जलघरों पर दारोमदार

■ सप्लाई के समय में भी कटौती की जा रही है, किसी इलाके में 30 मिनट तो कहीं पर 25 मिनट सप्लाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

बीते माह नहरी पानी की कमी की वजह से जलघरों में पर्याप्त पानी के स्टॉक न होने की वजह से जिले में पीने के पानी की दिक्कत बनने लगी है। पुराने जलघर के टैंक जवाब दे गए। उनमें कुछ ही दिनों का पानी बचा है।

पानी की कमी के चलते उक्त जलघर के अंतर्गत पड़ने वाले इलाके में एक दिन छोड़कर पानी की सप्लाई दी जाने लगी है। हालांकि सिंचाई विभाग अभी समय पर पानी पहुंचने का दावा कर रहा है,लेकिन अगर पानी देरी से पहुंचा तो पीने के पानी के लिए हाहाकार मचना लाजिमी है। फिलहाल पब्लिक हेल्थ ने शहर के अधिकांश इलाकों में पीने के पानी की राशनिंग की जा रही है। शहर के पुराने जलघर में पानी का स्टॉक कुछ ही दिनों का बचा है। दो टैंकों में पानी की जगह केवल गाद ही बची है। पानी कम होने की वजह से आधे शहर में एक दिन छोड़कर पानी की सप्लाई दी जाने लगी है। पानी की कमी के चलते पानी के सप्लाई के समय में भी कटौती की जा रही है। किसी इलाके में 30 मिनट तो कहीं पर 25 मिनट पानी की सप्लाई दी जाने लगी है। जिसके चलते लोगों को पीने के पानी की समस्या से जुझना पड़ रहा है। यही स्थिति डाबर इलाके में स्थित जलघर की बनी है। निनान जलघर में भी कुछ दिनों का पानी बचा है।

भिवानी। जलघर में पानी की जगह बची गाद का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीण इलाकों में चौथे दिन दी जा रही सप्लाई

शहर ही नहीं ग्रामीण इलाकों में भी पीने के पानी की समस्या बनी है। ग्रामीण इलाकों में स्थित जलघरों में पानी न के बराबर शेष बचा है। वहां पर लगे ट्यूबवैलों से लोगों के घरों में पानी की सप्लाई दी जा रही है। यहां यह बताते चले कि ग्रामीण इलाकों में लगाए गए ट्यूबवैलों का पानी खराब है। पानी की कमी के चलते इन्हीं ट्यूबवैलों से लोगों के घरों तक पानी की सप्लाई दी जा रही है। मजबूरन लोगों को इसी पानी से काम चलाना पड़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में नहरों में पानी पहुंचने के बाद ही स्थिति सुधर पाएगी। उल्लेखनीय है कि जिले की नहरों में 29 अप्रैल को पानी पहुंचने की उम्मीद है। नहरी पानी पहुंचने के बाद ही पीने के पानी की सप्लाई नियमित हो पाएगी। नहरों में पानी पहुंचने के लिए सिंचाई विभाग के अधिकारी लगातार आला अधिकारियों से सम्पर्क साधे हुए है।

हनुमानगढ़ के सेरड़ा गांव के व्यक्ति ने बवानी खेड़ा में लगाया फंदा

बवानीखेड़ा। आत्महत्या करने वाले मृतक के साथ मौके पर मौजूद। फोटो : हरिभूमि

बवानीखेड़ा। हनुमानगढ़ के सेरड़ा गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने बवानी खेड़ा में हांसी.भिवानी मार्ग पर पेड़ से फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जैसे ही इसकी सूचना पुलिस को मिली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर शव की शिनाख्त की। जांच अधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि उन्हें शनिवार सुबह सूचना प्राप्त हुई की एक व्यक्ति ने पेड़ से लटककर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली है। पता करने पर मालूम हुआ कि 40 वर्षीय मृतक हनुमानगढ़ के सेरड़ा गांव का रहने वाला है और अपने गांव से बवानी खेड़ा अपनी ससुराल में आया था। न वह ससुराल पहुंचा और न वापिस घर।

पांच बच्चों के सिर से उठा पिता का साया : जांच अधिकारी ने बताया कि मृतक के भाई राजेश ने बताया कि मृतक के पांच बच्चे हैं और वह काम के लिए शुक्रवार को बवानी खेड़ा आने के लिए चला था। अज्ञात कारणों के कारण उसके भाई ने आत्महत्या कर

मित्तथल स्कूल के बच्चों ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

भिवानी। लोकतंत्रत की है पहचान मतदाता और मतदान, चाहे नर हो या नारी मतदान है सबकी जिम्मेदारी, लोकतंत्र हो तब महान सब करे जब मतदान आदि नारों के साथ वीर शहीद सुरेश कुमार राजकीय वमा विद्यालय में प्राचार्या राजरानी की अध्यक्षता में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। रैली को प्राचार्या राजरानी से रवाना किया। रैली में विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को लोकतंत्र के पर्व में बढ़चढ़ कर भाग लेते हुए अधिक से अधिक मतदान करने का संदेश दिया। रैली शिक्षिका ऊमा शर्मा, कृष्णा सिवाच, दीपिका, सुमित्रा, अनिता कायत, अनिता तंवर व मंजू के मार्गदर्शन में गांव की गलियों से होते हुए वापस स्कूल प्रांगण में पहुंची। कार्यक्रम में कमलेश, प्रमोद, कार्तिक, परमानंद, जोगेन्द्र, ममता व अन्नु समेत स्टाफ व विद्यार्थियों का विशेष योगदान रहा।

चोरों ने दो मकान से 37 तोले सोना, डेढ़ किलो चांदी उड़ाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

बीती रात्रि चोरों ने विकास नगर में दो मकानों को अपना निशाना बनाकर करीबन छह लाख रुपये नकद करीबन 37 तोले सोना, डेढ़ किलोग्राम के करीब चांदी के जेवरात चोरी कर लिए हैं।

एफएसएल टीम पहुंची

चोरी की घटना के बाद पुलिस, एफएसएल, डॉग स्क्वायड, सीआईए, साइबर सेल व फिंगरप्रिंट की टीमें मौके पर पहुंची। पुलिस ने मकान मालिकों की शिकायत पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। झुल्ली निवासी शमशेर ने बताया कि उसके बेटे का जन्मदिन था, वह व उसका परिवार जन्मदिन मनाने अपने गांव गया था, सुबह उसके पड़ोसी सुनील ने फोन कर सूचना दी कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ है, जिसके बाद शमशेर मौके पर पहुंचा। शमशेर ने आकर देखा तो घर से करीबन 30 तोले सोना, 1 लाख 80 हजार रुपये नकद व करीबन डेढ़ किलोग्राम चांदी गायब मिला। शमशेर ने बताया कि उसके घर का ताला सुनील के घर मिला। शमशेर ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। वहीं शमेशर के पड़ोसी सुनील ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ दुल्हेड़ी गांव में शादी में गए हुए था।

अंदर से लगी थी कुंडी : वे सुबह जब करीब सवा तीन बजे घर पहुंचे तो उन्होंने गेट का ताला खोला। उसके बाद गेट नहीं खुला। सुनील ने बताया कि उसने देखा कि अंदर लाइट जल रही है, गेट की अंदर से कुंडी लगी हुई है। इसके बाद सुनील ने पड़ोसियों को जगाया। पड़ोसी आने के बाद उन्होंने डॉयल 112 पर कॉल कर उन्हें बुलाया। पुलिस टीम आने के बाद सीढ़ी द्वारा अंदर जाकर गेट खोला। सुनील ने बताया कि चोर उसके मकान से करीबन चार लाख रुपये नकद, 6 टोले सोना व करीबन आधा किलोग्राम से ज्यादा चांदी चोरी कर ले गए।

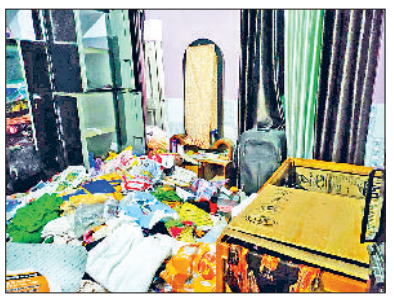

■ मकान का ताला लगाकर एक परिवार गया था बेटे का जन्मदिन मनाने तो दूसरा शादी में

दीवार फांदकर घर में घूसे

सुनील के घर पर चोरों ने दीवार फांदकर प्रेवश किया। सीसीटीवी फुटेज में सिर्फ एक कार 1 बजकर 7 मिनट पर आती और 1 बजकर 11 मिनट पर जाती दिखाई दे रही है। पुलिस ने मकान मालिकों की शिकायत पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस ने मामला दर्ज किया : इस बारे में थाना प्रभारी शिवकुमार ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया है, छानबीन की जा रही है।

मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं का होना जरूरी: एसडीएम

एसडीएम हरबीर सिंह ने शनिवार को शहर में मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

एसडीएम एवं भिवानी विधानसभा विधानसभा क्षेत्र के सहायक निर्वाचन अधिकारी हरबीर सिंह ने शनिवार को शहर में मतदान केंद्र 72 और 74 का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां पर जरूरी सुविधाओं का जायजा लिया।

उन्होंने बूथ से संबंधित बीएलओ को मतदान केंद्रों पर बिजलीए पेयजल और शौचालय आदि जरूरी सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एआरओ हरबीर सिंह ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी मतदान केंद्रों पर कुछ जरूरी सुविधाएं होनी जरूरी हैं, जिनमें रोशनी के लिए बिजली, पीने का पानी, शौचालय का प्रबंध होना चाहिए। इसी प्रकार से दिव्यांग व बुजुर्ग मतदाताओं की सुविधा के लिए रैंप का होना जरूरी है।

उन्होंने शहर थाना व किरोड़ीमल मंदिर के पास प्राइमरी पाठशाला में बूथ नंबर 72 और 74 का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां पर बिजली व शौशाचल की व्यवस्था को चैक किया। उन्होंने मौके पर मौजूद बीएलओ को निर्देश दिए कि बूथों पर नागरिकों को मतदान करने में किसी प्रकार की दिक्कत नही होनी चाहिए। पोलिंग बूथ पर नाम अंकित होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं के लिए प्रवेश व निकास द्वार अलग.अलग हों ताकि किसी भी तरह से अव्यवस्था न बनें। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम के चलते पर्याप्त मात्रा में पेयजल का प्रबंध रखें।

■ निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्र पर बिजली, पेयजल और शौचालय की व्यवस्था का लिया जायजा

बुजुर्ग से 10 लाख की ठगी करने का आरोपित दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

बुजुर्ग व्यक्ति को फोन पर पोती का पति बताकर साइबर फ्रॉड करने के मामले में एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में बौंदकलां थाना क्षेत्र के गांव भागेश्वरी निवासी रामकृष्ण यादव ने बताया कि 9 दिसंबर को उसके पास एक व्हाट्सएप कॉल आई थी। सामने वाले ने कहा कि वह सिंगापुर से आपकी पोती का पति बोल रहा है, उसके एक दोस्त की पत्नी अस्पताल में भर्ती है, जिसके फोन नंबर भी भेज दिए, फिर उसने कहा कि मैं आपके बैंक खाते में रुपये भेज रहा हूं, वो रुपये मेरे दोस्त को दे देना।

जिसके बाद उसने बैंक खाते की डिटेल मांगी। व्यक्ति ने उसके पास सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया सांजरवास शाखा की डिटेल भेज दी। उसके बाद उसके पास 11 दिसंबर को एक मैसेज आया, जिसमें लिखा था कि 16 लाख 50 हजार रुपये जमा हो गए हैं, उसके बाद अन्य व्यक्ति की व्हाट्सएप पर वॉइस कॉल आया, उसने 3 लाख 50 हजार रुपये आरटीजीएस करने को कहा, जिसके बाद उसने 11 दिसंबर को वह रुपये उसके पास आरटीजीएस करवा दिए। उसी रात को दोबारा से व्हाट्सऐप कॉल आई और कहा कि उसकी पत्नी की हालत ज्यादा खराब हो गई है। 6.50 लाख रुपये की सख्त जरूरत है। उसके बाद 12 दिसंबर को उसके बताए अनुसार साढ़े 6 लाख रुपये करवा दिए।

खाते में नहीं आए पैसे

बाद उसने बैंक खाते का बैलेंस चेक किया तो पाया कि उसके बैंक खाते में कोई रुपया नहीं आया है। उसने उक्त व्यक्ति को कॉल की तो उसने कहा कि वह अभी बैंक जा रहा है। 10 से 15 मिनट में रुपये आ जाएंगे। बाद में उसे पता चला कि जिस नंबर से कॉल की गई थी, वह प्रशांत का नहीं था और न ही उसे रुपये की जरूरत थी, उसके पास फर्जी मैसेज भेजकर उसके साथ 10 लाख रुपये की ठगी की गई थी। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

साइबर क्राइम पुलिस की टीम ने महत्वपूर्ण व तकनीकी साक्ष्यों का आंकलन कर एक आरोपी को बिहार से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान बिहार के राहुल कुमार निवासी गोपालगांजी के रुप में हुई है। पुलिस टीम द्वारा आरोपी से बैंक पास बुक बरामद की गई तथा पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपना खाता नम्बर व एटीएम अपने दोस्त को दे रखा था।

कस्बा बाढ़डा में एफएलएन शिविर का आयोजन

छात्रों के मानसिक-भावनात्मक विकास में शिक्षकों की अहम भूमिका

■ राजकीय अध्यापक संघ के राज्य उपप्रधान जगमेन्द्र ने किया संबोधित

भिवानी। एफएलएन शिविर को संबोधित करते अध्यापक संघ के पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

शिक्षक एक समाज का नेतृत्व करने वाला व्यक्ति होता है, जो विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों में शिक्षा देता है। वे शिक्षा के मूल अध्यापन के साथ-साथ विद्यार्थियों के विकास को ध्यान में रखते हुए उन्हें समझाने और स्पष्ट करने में मदद करते हैं।

शिक्षकों की भूमिका न केवल अध्यापन में होती है, बल्कि वे विद्यार्थियों के मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास में भी भूमिका निभाते हैं, ये बात कस्बा बाढ़डा में आयोजित एफएलएन शिविर को

■ जिला उपप्रधान कृष्ण बजाड़, पूर्ण थालौर, सोमबीर जगरामबास ने भी किया संबोधित

संबोधित करते हुए राजकीय अध्यापक संघ के राज्य उपप्रधान जगमेन्द्र ने कही। उन्होंने व अन्य साथियों द्वारा ब्लाक स्तरीय शिविर के दौरान विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने में एक अध्यापक के महत्व को विस्तार से बताया। जिला प्रधान संजय फौगाट ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के मनोवैज्ञानिक और व्यक्तिगत विकास में मदद करते हैं, वे विद्यार्थियों के साथ उनकी भावनाओं को समझते हैं और उन्हें उनके समस्याओं के समाधान के लिए मदद करते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन में महत्वपूर्ण व्यक्तित्व होते हैं। बौंद ब्लाक प्रधान जिले सिंह पिलानियां ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को उनके स्तर के अनुसार पढ़ाते हैं ताकि वे अपनी शिक्षा का अधिक समझ पाएं। जिला उपप्रधान कृष्ण बजाड़, पूर्ण थालौर, सोमबीर जगरामबास ने भी शिविर को संबोधित किया।

स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड का दमदार प्रदर्शन, दिया बंपर रिटर्न

रिटेल निवेशकों ने किया कमाल, स्मॉलकैप में लगी रकम 83% बढ़ी ● मार्च में रिकॉर्ड निकासी के बाद भी नहीं घटी निवेशकों की कमाई ● इस साल स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड की संपत्ति 2.43 लाख करोड़ बढ़ी ● मार्च 2024 में फोलियो की संख्या 1.9 करोड़ तक पहुंची ● एक साल पहले 1.09 करोड़ थी, इसमें 81 लाख इजाफा हुआ ● म्यूचुअल फंड में रिटेल निवेशकों की भागीदारी में उछाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। यह निवेशकों को छप्पर फाड़ रिटर्न दे रहा है। स्मॉल-कैप फंड्स ने 1 साल में 70% तक रिटर्न दिया है। इसमें निवेश कर निवेशक मालामाल हो रहे हैं। मार्च में रिकॉर्ड निकासी के बावजूद भी स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड में निवेशकों का क्रेज यानी दिलचस्पी कम नहीं हो रही है। इसका कारण है, इस फंड में लगातार रिटेल निवेशकों की भागेदारी का बढ़ना। जो इस स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड को लोगों के बीच लोकप्रिय बना रहा है और अच्छी कमाई भी करवा रहा है। लगातार रिटेल निवेशकों की भागीदारी में उछाल और बाजार में तेजी से मार्च 2024 के अंत में स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड कैटिगरी की संपत्ति 2.43 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ गई। यह सालाना आधार पर 83 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाता है। संपत्ति में वृद्धि को निवेशकों की संख्या में बढ़ोतरी ने ताकत दी। मार्च 2024 में फोलियो की संख्या 1.9 करोड़ तक पहुंच गई, जो एक साल पहले 1.09 करोड़ थी। इसमें 81 लाख इजाफा हुआ। यह स्मॉल-कैप फंड के प्रति निवेशकों के रुझान को दिखाता है।

निवेशकों को मिल रहे अवसर

बाजार के जानकारों को कहना है कि इस समय भारत की अर्थव्यवस्था लगातार तेजीर से बढ़ रही है। इसलिए निवेशक भी स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड में काफी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। लोग लगातार एसआईपी या लंपसप निवेश कर रहे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था का वृद्धि पथ लोगों की बढ़ी हुई रुचि को दिखाता है। इससे कई गैर-सूचीबद्ध स्मॉल-कैप कंपनियां पूंजी बाजार से समर्थन मांग रही हैं। यह प्रवृत्ति दीर्घकालिक विकास संभावनाओं पर नजर रखने वाले निवेशकों को आशाजनक अवसर प्रदान करती हैं। हालांकि आम चुनाव, मॉनसून पूर्वानुमान, आर्थिक गतिविधि, इंफ्लेशन, जीडीपी अनुमान और वित्त वर्ष 2024-25 की आय वृद्धि जैसे फैक्टर स्मॉल-कैप कंपनी के वैल्यूएशन को प्रभावित कर सकते हैं और इस कैटिगरी में अस्थिरता ला सकते हैं। हालांकि इस सबके बावजूद स्मॉल-कैप कंपनियां ग्रोथा हासिल करने में सक्षम होंगी। इसमें निवेश अभी फायदे का सौदा हो सकता है। हालांकि एक्सपर्ट्स साफ कहते हैं कि थोड़ा रिस्क लेने की क्षमता रखने वाले लोगों को ही इनमें निवेश करना चाहिए।

40,188 करोड़ का इनफ्लो

वित्त वर्ष 2023-24 में स्मॉल-कैप फंड में 40,188 करोड़ रुपये का इनफ्लो देखा गया, जो पिछले वित्त वर्ष में दर्ज 22,103 करोड़ रुपये से कहीं अधिक है। हालांकि मार्च के महीने में स्मॉल-कैप फंड में दो साल में पहली बार 94 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली भी देखी गई। असोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड की एयूएम मार्च 2023 के अंत में 2.43 लाख करोड़ रुपये और मार्च 2022 में 1.33 लाख करोड़ रुपये थी।

क्या है वजह

शेयर बाजार में निवेशकों का पैसा बढ़ा है। इसके चलते इक्विटी रूट के जरिए निवेशकों का पैसा आ रहा है और बाजार में स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में अच्छा रिटर्न मिल रहा है। इसके चलते स्मॉलकैप और मिडकैप म्यूचुअल फंड में भी इंवेस्टमेंट बढ़ रहा है।

बढ़ रही रिटेल निवेशकों की दिलचस्पी

म्यूचुअल फंड में रिटेल निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी के कारण पिछले पांच साल में फोलियो की संख्या दोगुनी हो गई है। रिसर्च फर्म आईसीआरए के अनुसार मार्च 2024 तक म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो की कुल संख्या 17.79 लाख करोड़ हो गई। मार्च 2020 में इसकी संख्या 8.97 लाख करोड़ थी। आईसीआरए एनालिटिक्स ने कहा कि रिटेल निवेशक म्यूचुअल फंड के जरिये इक्विटी और बॉन्ड में निवेश करने में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। फोलियो की लिस्ट में इक्विटी ओरिएंटेड फंड 68.7%, ईटीएफ 11.7% और हाइब्रिड स्कीम में 7.7% हिस्सेदारी है। मार्च 2024 तक इसके एयूएम पिछले पांच वर्षों में दोगुनी से अधिक होकर 53.40 लाख करोड़ रुपये हो गई है। मार्च 2020 में यह 22.26 लाख करोड़ रुपये थी।

क्या हैं स्मॉल-कैप फंड

स्मॉल-कैप म्यूचुअल वे फंड होते हैं, जो छोटी कंपनियों में निवेश करते हैं। यानी ऐसी कंपनियां जिनके शेयरों की वैल्यू काफी कम है। इन्हें हम स्मॉलकैप कंपनियां कहते हैं। हालांकि, शेयर बाजार में लिस्टेड ऐसी कंपनियों के कारोबार में बेहतर ग्रोथ की संभावनाओं का आकलन करने के बाद ही इनकी पहचान की जाती है। मार्केट कैप के लिहाज से शेयर बाजार की शीर्ष 250 कंपनियों को छोड़कर बाकी में स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड निवेश करते हैं। स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड अपने निवेश की रकम का 65% तक छोटी कंपनियों में लगाते हैं। इसके बाद बची 35% रकम को फंड मैनेजर मिड या लार्ज कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।

एसआईपी के जरिए निवेश सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने के बजाए सिस्टमेंटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता। इसलिए एसआईपी के जरीये निवेश बेहतर है।

लम्बे समय के लिए निवेश फायदेमंद

कम समय में ज्यादा रिटर्न के लिए स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड स्कीम्स का रुख न करें। इसमें आपका नुकसान होना तय है। अगर आपकी लंबे समय तक निवेश की योजना है और जोखिम लेने की क्षमता हो तभी इन स्कीम्स का रुख करें। इनमें ज्यादा जोखिमछोटे कैप स्टॉक जोखिमपूर्ण होते हैं, क्योंकि उनमें कम कारोबार होता है। उदाहरण के लिए, एक कंपनी के पास एक अनूठी सेवा/उत्पाद हो सकता है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त वित्त नहीं हो सकता है। तो, कभी-कभी धन की कमी एक बिजनेस को विफल कर देती है। लार्ज कैप शेयरों की तुलना में छोटे कैप स्टॉक ज्यादा अस्थिर होते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार इसमें एसआईपी के जरिए निवेश करना ज्यादा सही रहता है।

लार्ज-कैप पर बढ़ रहा निवेशकों का भरोसा!

- बड़ी कंपनियों के शेयरों और ईटीएफ में लगातार बढ़ रहा निवेश
- सेबी के 'स्ट्रेस टेस्ट' के नतीजे भी निवेशकों को प्रभावित कर रहे
- सेबी के स्मॉल-कैप के मूल्यांकन पर लगाम लगाने के प्रयासों का असर मार्च 2024 में दिखा, निवेश कम हुआ

बचत
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार नियामक सेबी के छोटे शेयरों वाली स्कीम (स्मॉल-कैप) के अत्यधिक मूल्यांकन पर लगाम लगाने के प्रयासों का असर निवेशकों पर दिखने लगा है। अब निवेशकों का रुझान लार्ज-कैप की और बढ़ने लगा है। अगस्त 2021 के बाद पहली बार, मार्च 2024 में स्मॉल-कैप स्कीम में निवेश कम हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 15 महीनों में लगातार हर महीने औसतन 3300 करोड़ रुपये के निवेश के बाद, मार्च में इन स्कीम से 94 करोड़ रुपये की कुल निकासी देखने को मिली। हालांकि इसके बावजूद भी इन स्कीमों में निवेश हो रहा है। सेबी द्वारा कराए गए 'स्ट्रेस टेस्ट' के नतीजे भी निवेशकों के सेंटीमेंट को प्रभावित कर रहे हैं। इन परीक्षणों में यह पता लगाया गया कि स्मॉल और मिड-कैप फंडों को अपने पोर्टफोलियो का कितना हिस्सा जल्दी बेचना पड़ सकता है। सेबी के आदेश के अनुसार, म्यूचुअल फंड कंपनियों को हर महीने 15 तारीख को मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्कीम के लिए तरलता, अस्थिरता, मूल्यांकन और पोर्टफोलियो कारोबार से जुड़े आंकड़ों को सार्वजनिक करना होता है।

पिछले साल मचाई धूम

वर्ष 2023 में छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों (मिड और स्मॉल-कैप) ने तो धूम मचा दी थी। निवेशकों ने इनमें 64,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का निवेश किया। लेकिन बाजार नियामक सेबी को ये चिंता सता रही थी कि क्या जरूरत पड़ने पर ये फंड आसानी से अपने शेयर बेच पाएंगे?

लार्ज-कैप व ईटीएफ पर ध्यान

स्मॉल-कैप फंडों में निवेश कम होने के साथ ही बड़ी कंपनियों के शेयरों (लार्ज-कैप) वाले फंडों की तरफ निवेशकों का रुझान बढ़ रहा है। मार्च 2024 में लार्ज-कैप फंडों में 2,130 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया, जो पिछले 21 महीनों में सबसे ज्यादा है। गौर करने वाली बात यह है कि पहले हर महीने औसतन 115 करोड़ रुपये का निवेश बाहर निकलता था, जबकि अब इसके उल्टा हो गया है। दिलचस्प है कि मार्च 2024 में स्मॉल-कैप में जाने वाले निवेश का लगभग 70% अब लार्ज-कैप की ओर रुख कर गया है। सिर्फ इतना ही नहीं, एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में भी निवेश बढ़ रहा है। मार्च 2024 में ईटीएफ में निवेश 10,500 करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया, जबकि इसके पहले औसतन हर महीने 2,500 करोड़ रुपये का ही निवेश होता था। कुल मिलाकर, निवेशकों की पसंद बदल रही है। वे अब छोटी और मझोली कंपनियों के फंडों के बजाय बड़ी कंपनियों और ईटीएफ जैसे विकल्पों को तरजीह दे रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी दावा

रिपोर्ट में कहा गया है, म्यूचुअल फंड में कुल मिलाकर तो पैसा आ ही रहा है, लेकिन निवेशकों की पसंद बदल रही है। पहले जहां उनका रुझान छोटी और मझोली कंपनियों (स्मॉल और मिड-कैप) वाले फंडों की तरफ था, वहीं अब वो बड़ी कंपनियों (लार्ज-कैप) और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) जैसे विकल्पों को तरजीह दे रहे हैं। ये बदलाव फंड मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) के लेवल पर भी दिख रहा है। कुछ एएमसी में स्मॉल और मिड-कैप फंडों से पैसा निकल रहा है, जबकि कुछ में बड़े पैमाने पर पैसा जमा हो रहा है।

बदल रही पसंद

- रिपोर्ट के मुताबिक, इस बदलाव की एक वजह ये भी हो सकती है कि स्मॉल-कैप फंडों ने मिड-कैप फंडों के मुकाबले कम रिटर्न दिया है, जिससे निवेशक अब ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते।
- अलग-अलग फंडों की बात करें तो लार्ज-कैप फंडों में पैसा जमा करने की रफ्तार पहले कम थी, लेकिन अब बढ़ रही है।
- मिड-कैप फंडों में ये रफ्तार स्थिर थी, लेकिन अब बदलने के संकेत मिल रहे हैं। सबसे ज्यादा चिंता की बात स्मॉल-कैप फंडों को लेकर है। फरवरी 2021 के बाद पहली बार इन फंडों में नए खाते खुलने की संख्या घटी है, जो निवेशकों की घटती दिलचस्पी को दर्शाता है।
- मार्च 2024 में नए लार्ज-कैप फंडों में जबरदस्त उछाल आया है। ये दिसंबर 2021 के बाद से सबसे ज्यादा बढ़ोतरी है। इसके उलट, पिछले दो महीनों में नए मिड-कैप फंडों में गिरावट देखी गई है, हालांकि ये कमी स्मॉल-कैप की तुलना में कम है।
- शायद निवेशक मिड-कैप में अभी भी संभावनाएं देख रहे हैं, लेकिन थोड़ा इंतजार करना चाहते हैं।

यह भी गौर वाली बात

गौर करने वाली बात ये है कि स्मॉल-कैप फंड मैनेजर भी अपनी रणनीति बदल रहे हैं। मार्च में बिकवाली के दौरान उन्हें निवेश के लिए नकदी का इस्तेमाल करने का मौका मिला। साथ ही, वो लगातार लार्ज-कैप शेयरों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं, जो मार्च 2024 में अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 7.5% पर पहुंच गई है। ये कदम संकेत देते हैं कि स्मॉल-कैप फंड मैनेजर जोखिम कम करने की कोशिश कर रहे हैं।

म्युचुअल फंड की कई स्कीमों ने दिया 40% से 71% मुनाफा

रिटर्न देने में स्टॉक मार्केट को भी पीछे छोड़ा, एक साल में दिखे ऐसे कई लार्जकैप म्यूचुअल फंड, एसआईपी के जरिये निवेश कर हो सकते हैं मालामाल,लार्जकैप सेगमेंट में मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से टॉप 100 कंपनियां

मुनाफा
बिजनेस डेस्क

वित्त वर्ष 2024 की बात करें तो बीते करीब 1 साल में ऐसे कई लार्जकैप म्यूचुअल फंड हैं, जिन्होंने रिटर्न देने के मामले में स्टॉक मार्केट को भी पीछे छोड़ दिया है। एक रिपोर्ट पर नजर डालें तो कम से कम 10 लार्जकैप फंड ऐसे दिख रहे हैं, जिनमें 1 साल के दौरान 40 फीसदी से 71 फीसदी तक रिटर्न मिला है। लार्ज-कैप फंड म्यूचुअल फंड की वह कैटेगरी है, जो लार्ज कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। लार्जकैप म्यूचुअल फंड अलग अलग लार्जकैप स्टॉक के जरिए आपके पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाइड कर देते हैं। लार्जकैप सेगमेंट में आमतौर पर मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से टॉप 100 कंपनियां शामिल हैं। इनमें आरआईएल, टीसीएस, एचयूएल, एसबीआई, आईटीसी, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयर मुख्यतः शामिल होते हैं।

एक सुरक्षित विकल्प

म्यूचुअल फंड में निवेश, सीधे स्टॉक मार्केट में निवेश की तुलना में एक सुरक्षित विकल्प माना जाता है। वहीं, इन स्कीम में रिटर्न भी हाई है। कई स्कीम तो स्टॉक मार्केट की तरह ही रिटर्न दे रही हैं। इसी के चलते म्यूचुअल फंड निवेश का पॉपुलर विकल्प बन गया है। इक्विटी म्यूचुअल फंड में भी स्टॉक मार्केट की तरह ही अलग-अलग कैटेगरी हैं। मसलन लार्जकैप, मिडकैप या स्मॉलकैप फंड। जो निवेशक सीधे स्टॉक मार्केट में निवेश का रिस्क नहीं लेना चाहते हैं, लेकिन ज्यादा रिटर्न की इच्छा रखते हैं, उनके लिए म्यूचुअल फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं। इक्विटी सेगमेंट में भी लार्जकैप म्यूचुअल फंड ज्यादा सुरक्षित माने जाते हैं। असल में लार्जकैप स्टॉक्स में बाजार का उतार चढ़ाव का अच्छे से सामना करने की क्षमता होती है। इसलिए अक्सर निवेशकों में लार्ज कैप में निवेश करने की ललक दिखाई देती है, जो इन फंडों निवेश के लिए काफी सुगम बनाती है और निवेशकों को ये स्कमी ज्यादा आकर्षित करती है। क्योंकि लार्ज कैप फंड में निवेश काफी कम रिस्की होता है और बढ़िया रिटर्न भी मिलता है।

किसे करना चाहिए निवेश

अगर आप बाजार के उतार चढ़ाव को पसंद नहीं करते या ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता नहीं है, फिर भी इक्विटी की तरह ज्यादा रिटर्न चाहते हैं तो लार्ज-कैप फंड आपके लिए परफेक्ट विकल्प है। हालांकि ऐसा नहीं है कि लार्ज-कैप में रिस्क नहीं है या बाजार के वोलैटिलिटी का असर नहीं होता, लेकिन इनमें अस्थिरता मिडकैप और स्मॉलकैप की तुलना में कम होती है। ये मिडकैप और स्मॉलकैप की तुलना में बाजार की अस्थिरता से मजबूती से निपट सकते हैं। असल में लार्जकैप फंड में अलग अलग सेक्टर की अलग अलग ब्लूचिप कंपनियों के स्टॉक होते हैं। इन ब्लूचिप का मार्केट कैप ज्यादा होता है और इनका बेस भी मजबूत होता है। ऐसी कंपनियां कैश रिच होती हैं।

इन्होंने किया कमाल

- आईसीआईसीआई प्रू भारत 22 एफओएफः 71%
- जेएम लार्जकैपः 48%
- निप्पॉन इंडिया लार्जकैप फंडः 47%
- डीएसपी निफ्टी 50 इक्वल वेट इंडेक्सः 45%
- आईसीआईसीआई प्रू ब्लूचिप फंडः 44%
- बड़ौदा बीएनपी परिबा लार्जकैपः 43%
- इन्वेस्को इंडिया लार्जकैपः 43%
- एचडीएफसी टॉप 100: 41%
- बंधन लार्जकैप फंडः 41%
- मिरे एसेट इक्विटी अलोकेटर एफओएफ : 40%

क्या हैं लार्ज कैप फंड

लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड इक्विटी फंड होते हैं जो मुख्य रूप से लार्ज-कैप कंपनी स्टॉक में निवेश करते हैं। ये वे प्रतिष्ठित कंपनियां हैं, जिनका संपत्ति बनाने का बेहतरीन रिकॉर्ड है। चूंकि इन कंपनियों की स्थापना पहले ही की जा चुकी है, इसलिए वे मिड और स्मॉल-कैप फंड स्कीम की अपेक्षा कम जोखिम लेकर स्थिर आय जनरेट करते हैं। कम जोखिम और लॉन्ग-टर्म निवेश होरिजोन पसंद करने वाले निवेशकों को लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड के बारे में जानना चाहिए। ये योजनाएं रिलायंस, टीसीएस, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक और अन्य जैसी शीर्ष कंपनियों में पूंजी का एक महत्वपूर्ण भाग (लगभग 80 प्रतिशत) निवेश करती हैं। वे अपने विशिष्ट सेगमेंट में मार्केट लीडर हैं और वे मजबूत मार्केट लीडर हैं।

बढ़िया रिटर्न के लिए सिर्फ इक्विटी में पैसे न लगाए ■ डेट स्कीम को भी अपनाएं और निवेश का फायदा लें ■ निवेश की सही स्ट्रैटेजी क्या होनी चाहिए, रखें ध्यान ■ डेट फंड में एयूएम का 95 फीसदी से अधिक कॉर्पोरेट संस्थाओं से आता है ■ 90 फीसदी से अधिक इक्विटी एयूएम रिटेल और एचएनआई से आता है

डेट फंड को भी कम न आंकें, ये भी दे सकते हैं मोटा मुनाफा

जानकारी
बिजनेस डेस्क

यदि आप भी निवेश की यात्रा शुरू करने जा रहे हैं तो थोड़ा सावधानी के साथ निवेश करें। निवेशक डेट म्यूचुअल फंड को कम न आंके, चूंकि ये फंड भी आपको मोटा मुनाफा करवा सकते हैं और आपके पैसे को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। इसलिए आपके पोर्टफोलियों में डेट फंड भी होने चाहिएं। म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में अब तक ऐसा ट्रेंड देखने को मिलता आया है कि रिटेल निवेशक प्रमुख रूप से इक्विटी प्रोडक्ट में निवेश करते हैं, जबकि कॉर्पोरेट बड़े पैमाने पर डेट या फिक्स्ड इनकम वाले प्रोडक्ट में निवेश करते हैं। दिसंबर 2023 के एएमएफआई (एएमएफआई) आंकड़ों के अनुसार, डेट म्यूचुअल फंड में एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का 95 फीसदी से अधिक कॉर्पोरेट संस्थाओं से आता है, जबकि 90 फीसदी से अधिक इक्विटी एयूएम रिटेल और एचएनआई निवेशकों की ओर से आता है। तो क्या आप भी रिटेल निवेशक हैं और सिर्फ इक्विटी स्कीम पर फोकस कर रहे हैं। अगर कर रहे हैं तो क्या यह स्ट्रैटेजी सही है।

निवेश की प्रक्रिया बेहद आसान

म्यूचुअल फंड में निवेश की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सरल और व्यवस्थित हो गई है। यहां तक कि लिक्विड फंड और ओवरनाइट फंड में 50,000 रुपये तक की निकासी कुछ ही सेकंड में की जा सकती है। सेविंग्स अकाउंट या लिक्विड और ओवरनाइट म्यूचुअल फंड के बीच रिटर्न के टैक्सेशन की दर में कोई अंतर नहीं है, क्योंकि दोनों मार्जिनल रेट पर टैक्सेबल हैं। ओवरनाइट फंड में भी कोई एक्जिट लोड नहीं होता है।

रिटेल निवेशकों की डेट में भागीदारी कम

सबसे पहले, अगर आप ओवरआल एफडी वॉल्यूम पर विचार करते हैं तो यह म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री से भी आगे निकल जाता है। इसके अलावा, अगर आप ईपीएफओ बैलेंस, पोस्ट ऑफिस की स्मॉल फाइनेंस स्कीम और इस तरह की अन्य विकल्पों को जोड़ते हैं तो यह साफ है कि रिटेल निवेशक फिक्स्ड इनकम वाले विकल्पों में निवेश करने पर ज्यादा विचार करते हैं। वहीं, रिटेल निवेशक वास्तव में डेट म्यूचुअल फंड में हिस्सा नहीं के बराबर लेते हैं। लिक्विड और ओवरनाइट फंड में रिटेल निवेश 55,000 करोड़ रुपये से भी कम है, जबकि इनकी तुलना में देश में करंट अकाउंट और सेविंग्स अकाउंट में 23 लाख करोड़ रुपये जमा हैं।

क्यों हैं डेट को लेकर कम आकर्षण

डेट फंड में रिटेल निवेशकों के बीच कम आकर्षण की एक वजह इसे लेकर जानकारी की कमी है। कई वित्तीय सलाहकार भी इन प्रोडक्ट पर कम मार्जिन के चलते ध्यान नहीं देते हैं। वहीं दूसरी ओर, कन्जर्वेटिव निवेशकों के लिए बैंक ब्रॉन्च या रिलेशनशिप मैनेजर की व्यक्तिगत सुविधा बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। क्योंकि खासतौर से वरिष्ठ नागरिकों के लिए, किसी बैंक ब्रॉन्च में जाकर ब्रॉन्च मैनेजर के साथ बातचीत करके निवेश की सलाह लेना आसान होता है।

डेट फंड में कई फायदे

दूसरा, एक कैटेगरी के रूप में, डेट म्यूचुअल फंड निवेशकों को कई तरह के महत्वपूर्ण बेनेफिट प्रदान करते हैं, चाहे वे रिटेल निवेशक हों या कॉर्पोरेट। आज, रिटेल निवेशक आमतौर पर अपना पैसा सेविंग्स अकाउंट में रखते हैं, जिस पर सालाना 3-4 फीसदी के बीच में आय होती है। हालांकि, म्यूचुअल फंड निवेश के लिए कई तरह के विकल्प पेश करते हैं, जिनमें निवेशकों को बेहतर रिटर्न देने की क्षमता होती है। ये 6 से 6.5 फीसदी या इससे भी ज्यादा सालाना रिटर्न दे सकते हैं। तुरंत लिक्विडिटी के उद्देश्य के लिए ओवरनाइट फंड हैं। वहीं लिक्विड फंड ऐसी स्कीम है, जिसकी मैच्योरिटी 3 महीने की होती है। मनी मार्केट फंड हैं जो आपको 12 महीने के लिए पैसा निवेश करने में मदद करते हैं।

कॉरपोरेट्स और ट्रेजरी

इन प्रोडक्ट का उपयोग कॉरपोरेट्स और ट्रेजरी द्वारा अपने सरप्लस फंड को निवेश करने के लिए बड़े पैमाने पर किया जाता है। कॉरपोरेट ट्रेजरी शायद ही कभी अपना पैसा सेविंग्स अकाउंट में रखते हैं. ऐसे में सवाल है कि रिटेल निवेशकों को अपने पैसे पर बेहतर रिटर्न पाने के लिए इन फंडों का उपयोग क्यों नहीं करना चाहिए? साफतौर पर ऐसे कुछ कारण हैं, जिनकी वजह से आज यह आदर्श विकल्प बन गया है।

चेक करें फायदा और नुकसान

बहुत से निवेशक ऐसे हैं जो अपना एक बड़ा फंड बैंक में लंबे समय तक सेविंग्स अकाउंट में रखते हैं। उस पर चाहे जो भी रिटर्न मिले, वह ध्यासन नहीं देते हैं। आप खुद इसका नुकसान चेक कर सकते हैं। जब आप अगली बार अपने बैंक खाते की डिटेल जांचें, तो देखें कि पिछले 12 महीनों में आपके पास हर महीने (अपने सभी खर्चों और ईएमआई का भुगतान करने के बाद) कितना अतिरिक्त पैसा था। फिर इस सरप्लस फंड को लिक्विड फंड में लगाने से आपको जो अतिरिक्त रिटर्न मिलता, उसे कैलकुलेट करें। एक एवरेज रिटर्न के रूप में, आप कैलकुलेशन के लिए 6.5 फीसदी का उपयोग कर सकते हैं, क्योंकि लिक्विड फंड ने पिछले साल में करीब इतना रिटर्न दिया है। इसकी तुलना आपके बैंक द्वारा आपके बचत खाते पर दी जाने वाली ब्याज दर से करें। आप खुद दोनों के बीच अंतर को देखकर चौंक जाएंगे कि आप सरप्लस पैसा लिक्विड फंड में निवेश करते तो कितना अतिरिक्त पैसा कमा सकते थे। आरबीआई के अनुसार, दिसंबर 2023 तक, एक अनुमान के अनुसार, भारत में करंट अकाउंट और बचत खातों में लगभग 23 लाख करोड़ रुपये जमा हैं, यानी निवेशक हर साल लगभग 60,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त रिटर्न क्षमता पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

खबर संक्षेप

आदमपुर में पूर्व सीएम मनोहर लाल की रैली कल

मंडी आदमपुर। पूर्व सीएम मनोहर लाल 29 अप्रैल को राज सिनेमा मार्केट मैदान में भाजपा की जनसभा को संबोधित करेंगे। पार्टी नेता बसंत कुमार ने बताया कि वे हिसार लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रणजीत सिंह के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे। उनके साथ प्रदेश सरकार के कई मंत्री व अन्य भाजपा नेता रैली को संबोधित करेंगे।

ओशो ध्यान उपवन में ध्यान सत्र आज

हिसार। साधकों के जीवन को सरस व उल्लासमय बनाने के उद्देश्य से 28 अप्रैल को ओशो ध्यान उपवन में प्रभु को समर्पित हो जीवन विषय पर ध्यान सत्र का आयोजन किया जाएगा। सिरसा रोड पर स्थित ओशो ध्यान उपवन में सुबह आयोजित होने वाले इस ध्यान सत्र में सत्यम, शिवम व सुंदरम की विचारधारा को आत्मसात किया जाएगा। ध्यान सत्र के आयोजक स्वामी संजय ने बताया कि अपने आप को प्रभु के प्रति समर्पित करने वाला इंसान आशा-निराशा एवं खुशी-विषाद से ऊपर उठ जाता है।

दिव्यांग केंद्र में 16 लोगों के लिए फ्री नेत्र ऑपरेशन

हिसार। स्वास्थ्य व सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पित दिव्यांग पुनर्वास एवं स्वास्थ्य केंद्र में आंखों के सफेद मोतियाबिंद के ऑपरेशन का निशुल्क शिविर आयोजित किया गया। विवेक गर्ग हैदराबाद वाले एवं रोहतास कुमार गोयल छानी वाले ने इस निशुल्क शिविर में विशेष सहयोग दिया। इस शिविर में 16 जरूरतमंद लोगों की आंखों के निशुल्क ऑपरेशन करके राहत प्रदान की गई। इस अवसर पर ईश्वर गोयल बड़ोपलिया, सीताराम मंगल व दिनेश सिंगला सहित काफी गणमान्य लोग एवं दिव्यांग केंद्र के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भारी मात्रा में अवैध देशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

नारनौंद। बास पुलिस ने एक युवक से 72 बोतल अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थाना बास में तैनात मुख्य सिपाही संदीप सिंह ने बताया कि गश्त के दौरान शक के आधार पर एक मोटरसाइकिल सवार युवक को रोककर कर चेकिंग की गई तो उसके पास से 72 बोतल अवैध देशी शराब बरामद हुई। अवैध शराब व मोटरसाइकिल को कब्जा में लेकर आरोपित युवक के खिलाफ थाना बास में शराब अधिनियम के तहत अभियोग अंकित किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपित की पहचान सुनील निवासी मुंढाल खुर्द जिला भिवानी के रूप में हुई।

कैंटीन के पास कमरा बनाने पर हंगामा

हिसार। महाराजा अग्रसेन नागरिक अस्पताल परिसर में अस्पताल प्रशासन द्वारा कैंटीन के पास बनवाए जा रहे कमरे को लेकर जमकर हंगामा हुआ। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार जन औषधि केंद्र खोलने के लिए कमरे का निर्माण करवाया जा रहा था। बताया जाता है कि कैंटीन संचालक ने इस पर आपत्ति जताते हुए कमरे की दीवारों को गिरा दिया और जमकर हंगामा किया। मामले की सूचना मिलने पहुंची पीएमओ डॉ. रतना भारती मौके पर पहुंची। दीवार गिराने पर पीएमओ और कैंटीन संचालक के बीच तीखी बहस भी हुई।

अपने लाडले ख्यालिया को ग्रामीणों ने पलकों पर बैठाया

यूपीएससी परीक्षा पास कर पहली बार गांव लौटे भावेश का स्वागत

गांव के सबसे बुजुर्ग आदमी देवकरण व हरियाणा केसरी रहे हवासिंह पहलवान ने पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ तोशाम

तोशाम। भावेश ख्यालिया का अभिनंदन करते ग्रामीण, भावेश ख्यालिया का अभिनंदन जुलूस निकालते ग्रामीण।

यूपीएससी परीक्षा परिणाम में गांव झांवरी निवासी भावेश ख्यालिया ने 46वीं रैंक से यूपीएससी की परीक्षा पास कर भिवानी जिला, गांव व इलाके का नाम रोशन किया है। यूपीएससी परीक्षा पास करने के बाद पहली बार अपने गांव लौटे भावेश का शनिवार को सम्मान समारोह आयोजित किया। ग्रामीणों ने अपने लाडले भावेश को सम्मान में पलकों पर बैठा लिया। गांव के सबसे बुजुर्ग आदमी देवकरण व हरियाणा केसरी रहे हवासिंह पहलवान ने पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान पूर्व सैनिक सेवा समिति तोशाम के सभी पूर्व सैनिकों ने पगड़ी पहनाकर स्वागत किया तथा स्मृति चिन्ह देकर भावेश को सम्मानित किया। प्राचार्य सुरेंद्र सिंह जांगड़ा व हवासिंह पहलवान ने कहा कि भावेश ने अपने दूसरे ही प्रयास में यूपीएससी की परीक्षा पास अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि आईएएस देश की सबसे मजबूत प्रशासनिक रीढ़ है तथा हाल ही में घोषित हुए यूपीएससी के रिजल्ट में भावेश 46वीं रैंक हासिल कर अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बने है। इस दौरान पूर्व सैनिक सेवा समिति तोशाम के हलका प्रधान सूबेदार चांदवीर ने कहा कि देश की मिट्टी से अनेक प्रतिभाएं निकली है, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नाम चमकाने का काम किया है।

लक्ष्य तय मेहनत करें

भावेश ने अपने गांव व तोशाम क्षेत्र सहित भिवानी जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे भी अपने जीवन का लक्ष्य तय करें तथा उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए जी तोड़ मेहनत करें, क्योंकि मेहनत को ही सफलता की चॉबी कहा गया है। जिले के युवाओं ने अपनी खेल प्रतिभा के दम पर विश्वभर में देश व देशवासियों को गौरवांवित किया है। इसके बाद अब यहां के युवा शिक्षा के क्षेत्र में भी परचम लहरा रहे है।

मेहनत के बिना कुछ नहीं

भावेश के ताऊ युद्धबीर सिंह रिटायर्ड कमिश्नर व चाचा एचसीएस राजेश ख्यालिया को भी फूल मालाओं से स्वागत किया। भावेश ने अपना सम्बोधन ठेठ देसी हरियाणवी भाषा में दिया। आसपास के स्कूल से आए छात्रों को भी अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के टिप्स दिए। भावेश ने युवाओं से अपील की कि मेहनत बिना कुछ नहीं, अपने लक्ष्य के लिए कड़ी मेहनत करें। भावेश के पिता राजकुमार ने सफल आयोजन के लिए ग्रामीणों

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सतबीर मास्टर खरकड़ी माखवान, धर्मवीर मास्टर, राजकुमार, पूर्व सैनिक सेवा समिति तोशाम के हलका प्रधान सूबेदार चांदवीर झावरी, कैप्टन चंद्रभान पिंजोखरा, कमल, इंद्र, राजकुमार फौजी, मास्टर सतबीर, रिशालदार, संजय, राकू सेठ, लोकेश, कमल सिंह, आशू कुमारी सरपंच, राजपाल, पटवारी रमेश, बनवारीलाल, रामचंद्र, संजय ख्यालिया व कृष्ण ख्यालिया आदि मौजूद थे।

मतदाता सूची को ढंग से अपडेट करें : एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

- एसडीएम एवं भिवानी विधानसभा क्षेत्र के सहायक निर्वाचन अधिकारी हरबीर सिंह ने विधानसभा के बीएलओ और सुपरवाईजर को दिए जरूरी निर्देश

एसडीएम एवं भिवानी विधानसभा क्षेत्र के सहायक निर्वाचन अधिकारी हरबीर सिंह ने कहा कि बीएलओ और सुपरवाईजर अपने.अपने बूथों की मतदाता सूची को सही ढंग से तैयार करवाएं ताकि कोई नागरिक मतदान से वंचित न रहे। किसी को कोई भी संशय है तो उसको अभी से दूर करें। उन्होंने कहा कि बीएलओ और सुपरवाईजर निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुरूप ही कार्य करें ताकि चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न हो। उन्होंने कहा कि चुनाव ड्यूटी में नियुक्त सभी अधिकारी व कर्मचारी मतदान करवाने के साथ.साथ अपने मत का भी प्रयोग करेंए उसके निर्धारित फार्म का प्रयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव में नियुक्त अधिकारी या कर्मचारी मतदान वाले दिन 25 मई को अपने बूथ या मतदान केंद्र पर ड्यूटी दें, अन्यथा वह ड्यूटी में लापरवाही मानी जाएगी।

एसडीएम हरबीर सिंह शनिवार को आदर्श महिला महाविद्यालय के सभागार में भिवानी विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ और सुपरवाईजर की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 85 वर्ष से अधिक आयु व 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाताओं के घर जाकर संपर्क करें। उनसे उनकी सेहत के बारे में पूछें, यदि वे मतदान केंद्र पर जाकर मतदान करने में असमर्थ हैं तो उनसे फार्म 12. डी भरवाकर लें और यह कार्य नोटिफिकेशन होने के पांच दिन के अंदर ही समय रहते कर लें।

मतदान केंद्रों पर जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित करें

उन्होंने कहा कि बीएलओ अपने.अपने बूथों पर जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित करें, यदि किसी मतदान केंद्र पर किसी प्रकार की कोई कमी है तो उसे समय रहते पूरा करें। उन्होंने कहा कि सभी बीएलओ अपने.अपने बूथ के हिसाब से मतदाता सूची को अपडेट करवाएं ताकि नागरिकों को मतदान करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि 29 अप्रैल को चुनाव के लिए नोटिफिकेशन होगा जिसके साथ ही नामांकन प्रक्रिया शुरु हो जाएगी। सहायक निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि चुनाव ड्यूटी में नियुक्त अधिकारी व कर्मचारी लोकतंत्र के महापर्व में मतदान प्रवत्रिया संपन्न करवाने के साथ.साथ अपने मत का भी प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि जिनका वोट चुनावी ड्यूटी संबंधित लोकसभा क्षेत्र में ही है, वे फार्म 12., तथा जिनका वोट चुनावी ड्यूटी से संबंधित लोकसभा क्षेत्र से बाहर है, उनको फार्म 12 लेना होगा, जिससे वे पोस्टल बैलेट के माध्यम से अपने वोट का प्रयोग कर वहीं कर सकते हैं, जहां पर उनकी ड्यूटी लगी है। उन्होंने कहा कि वोट डालने के नाम से कोई भी अधिकारी या कर्मचारी अपनी ड्यूटी छोडकर न जाए,अन्यथा वह ड्यूटी में लापरवाही मानी जाएगी और निर्वाचन आयोग के नियमानुसार कार्रवाई होगी। कार्यशाला में चुनाव कानूनगो रामफल ने भी जरूरी जानकारी दी। इस दौरान चुनाव कानूनगो एवं नायब तहसीलदार अभी मौजूद रहे।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव को लेकर मंथन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

आगामी 8 मई को महम गेट स्थित परशुराम मंदिर में आयोजित होने वाले भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह की तैयारियां सर्व समाज सेना द्वारा शुरू कर दी गई है। समारोह में ज्यादा से ज्यादा लोग पहुंचे, इसके लिए निमंत्रण अभियान चलाया हुआ है।

इसी कड़ी में सर्व समाज सेना के संस्थापनक श्याम सुंदर सनातनी ने शनिवार को नई अनाज मंडी में निमंत्रण अभियान चलाया तथा ज्यादा से ज्यादा संख्या में भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह में पहुंचने का आह्वान किया। सर्व समाज सेना के संस्थापक श्याम सुंदर सनातनी ने कहा कि 8 मई को मनाया जाने वाला भगवान परशुराम का जन्मोत्सव समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। यह कार्यक्रम अब तक का सबसे ऐतिहासिक होगा, जिसमें सर्व समाज की अनेक हस्तियां अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएगी। उन्होंने कहा कि परशुराम भगवान विष्णु के छठे अवतार थे, इसलिए भगवान कृष्ण और श्रीराम के जन्मोत्सव की तरह भगवान परशुराम का जन्मोत्सव भी सर्व समाज के लोगों को हिस्सा लेते हुए भगवान परशुराम का आर्शीवाद लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम ने लोगों को एकजुटता, अहिंसा व शांति का संदेश दिया था।

भेदभाव मिटाएं : अब नागरिकों को भगवान परशुराम के दिखाए मार्ग पर चलते हुए हमे एकजुट होकर भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाना चाहिए। उन्होंने सर्व समाज के लोगों से आह्वान किया कि सबसे पहले हमे आपसी भेदभाव मिटाने होंगे।

बीके स्कूल में अचिंतित प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे व शिक्षक।

बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बवानी खेड़ा में अचिंतित प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा छठी से आठवीं के चारों सदनों के विद्यार्थियों ने भूमिका निभाई। इस अवसर पर निर्णायक मंडली की भूमिका इंग्लिश स्पोकन टीम के संचालक अजय गराठी व सुश्री तान्या ने निभाई।

अचिंतित प्रतियोगिता को आरंभ करने से पहले अंग्रेजी शिक्षिका कविता कुमारी ने विद्यार्थियों को प्रतियोगिता के दौरान आंकलन किए जाने वाले विषय के मूल्यांकन मापदंडों को अभिव्यक्त किया। इसके बाद अचिंतित प्रतियोगिता में भाग लेने वाले चारों सदनों के विद्यार्थी तक्षशिला सदन से मानविक, नालंदा सदन से अक्षय कुमार मिश्रा, इंद्रप्रस्थ सदन से प्राचीए शांतिनिकेतन सदन से रक्षित ने क्त्रमशः दिए गए विषय पर विचार अभिव्यक्त किए, जिनमें से शांतिनिकेतन सदन से रक्षित प्रथम, नालंदा सदन से अक्षय द्वितीय एवं तक्षशिला सदन से मानविक तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा नर्सरी से दूसरी तक रचनात्मक गतिविधियों में वेजिटेबल पेंटिंग प्रतियोगिता करवाई गई तथा कक्षा तीसरी से पाँचवी में पेपर से इको फ्रेंडली बैग बनवाए गए। वेजिटेबल पेंटिंग प्रतियोगिता में कक्षा यू के जी से वेदान्त प्रथम, मंशु भारद्वाज द्वितीय तथा कनिष्का तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा पहली से प्रिया प्रथम, दिव्या द्वितीय तथा रिया शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा दूसरी से नियति प्रथम, आरुषि द्वितीय तथा प्रियांश शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। पेपर बैग प्रतियोगिता में कक्षा तीसरी से हर्ष प्रथम, राम द्वितीय तथा कक्षा पाँचवी से दीपिका व धूरव खुराना तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा पहली से हैरल को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने सभी विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन में बुलंद हौसलें की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के इस प्रकार मंच पर आने से उनमें हौसला तो बढ़ता ही हैए साथ.साथ दूसरे विद्यार्थियों का भी मनोबल बढ़ता है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं हम विद्यालय स्तर पर समय.समय पर करवाते रहते हैं।

पीठासीन और सहायक पीठासीन अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

- मतदान सामग्री की जांच करने की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

पंचायत भवन में भी शनिवार को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कार्यशाला में सीईओ जिला परिषद अशवीन नैन ने पीठासीन व सहायक पीठासीन अधिकारियों को जरूरी जानकारी दी। कार्यशाला में पीठासीन व सहायक पीठासीन अधिकारियों को मतदान प्रक्रिया को लेकर कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट व वीवीपैट यूनिट की जांच, मॉक पोल, मतदान सामग्री प्राप्त करना, मिलान करना व मतदान सामग्री की जांच करने की विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कर्मियों को सामग्री प्राप्त करने में बरतने वाली सावधानियां, बूथ पर बैठने की व्यवस्था, मतदान की प्रक्रिया, सील करने की प्रक्रिया, सभी तरह के मतदान में प्रयुक्तए अनप्रयुक्त पेपर सील करने का तरीकाए पीओ के कार्य दायित्व के बारे में समग्रता से बताया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि मतदान प्रक्त्रिया में किसी प्रकार लापरवाही न बरतें। यदि कोई जानकारी नहीं है तो उसके बारे में अभी पूछ लें।

एफएलएन ट्रेनिंग संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। चार दिवसीय प्रशिक्षण के समापन पर सेल्फी कप व प्रमाण पत्र वितरित करते हुए जिला समन्वयक ललित कुमार व अशोक कुमार सहित कार्यकारी बीईओ आनंद कुमार शर्मा।

बवानी खेड़ा के वीर शहीद श्री गुलाब सिंह पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चार दिवसीय एफएलएन ट्रेनिंग के प्रथम दोनों बैचों का सामापन हुआ। प्रशिक्षण के शुरुआत में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी संतोष नागर, जिला समन्वयक अशोक कुमार ने पहुंचकर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया था और उपस्थिजनों को प्रशिक्षण की महता के बारे में गहनता से बताया था। प्रशिक्षण के लिए विद्यालय में दो बैच बनाए गए, जिसमें सभी जेबीटी शिक्षकों को बांटा गया। जो सुबह 9 से सायं 4 बजे तक प्रशिक्षण चला। वहीं मास्टर ट्रेनर बबीता, सत्यवान सहित अन्य व रजिस्ट्रेशन स्टाफ में राज कुमारी सहित अन्य ने भी अपनी विशेष भूमिका अदा की। प्रशिक्षण के अंतिम दिन भी एमटी ने सही समय बांधा और शिक्षकों को विभागीय आदेशानुसार प्रशिक्षण देकर शिविर का समापन किया। समापन पर एफएलएन जिला समन्वयक ललित कुमार, अशोक कुमार ने शिरकत की व सभी एमटी व शिक्षकों को सेल्फी कप व सर्टिफिकेट वितरित किए।

शहीद आजम भगतसिंह को मिले राष्ट्रपुत्र का दर्जा : यादवेंद्र

भिवानी। आने वाले कुछ दिनों में भिवानी में विश्व रिकॉर्ड बनने जा रहा है, ये बात शहीद भगत सिंह युवा ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष अध्यक्ष एवं शहीद भगत सिंह के पौत्र यादवेंद्र सिंह ने कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जल्द ही भिवानी में शहीद आजम भगत सिंह युवा ब्रिगेड के नेतृत्व में मेरी शान तिरंगा नाम से एक किलोमीटर का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहराया जाएगा जो शहर के सभी मुख्य चौराहों से होकर गुजरेगा। उन्होंने कहा कि इस रिकॉर्ड को बनाने में स्कूल, कॉलेज एवं एवं सामाजिक संस्थाओं का भी साथ लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से युवाओं को शहीद भगत सिंह के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा मिलेगी। यादवेंद्र सिंह ने कहा कि हम सरकार से मांग करते हैं कि शहीद भगत सिंह को राष्ट्रपुत्र का दर्जा दिया जाए । उन्होंने कहा कि भिवानी से ही शहीद भगत सिंह को राष्ट्रपुत्र घोषित करने की मांग उठाई जाएगी।

पुलिस ने चंद घंटों में सुलझाई ऑल्टो गाड़ी छीनने की वारदात, दो काबू, कार बरामद

हिसार। बरवाला बाइपास हांसी पुल के पास दो व्यक्तियों द्वारा ऑल्टो कार लूटने के मामले को चंद ही घंटों में सुलझाकर दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों में पाबड़ा निवासी पवन उर्फ पोनी और टोहाना के गांव हंसेवाला निवासी अमन उर्फ सरपंच शामिल है। लूटी गई ऑल्टो कार थाना आजाद नगर क्षेत्र से बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा ने पीसीआर 20 और पीसीआर 9 पुलिस टीम की सराहना की। पुलिस अधीक्षक ने प्रशंसा पत्र सहित नकद इनाम देने की भी घोषणा की है। जांच अधिकारी उप निरीक्षक दिलेर सिंह ने बताया कि बरवाला बाइपास हांसी पुल के पास दो व्यक्तियों द्वारा पिस्तोल के बल पर ऑल्टो कार लूटने के बारे में सूचना मिली। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में अलर्ट जारी किया, सभी पुलिस नाकों और पीसीआर को इस वारदात बारे सूचना दी गई। इसके बाद थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ बिना किसी देरी के मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम को गांव खेदड़ निवासी सोमबीर ने शिकायत दी कि 26 अप्रैल की शाम को वह अपने दोस्त के साथ बैठा था और बरवाला बाइपास पर बने शराब ठेका पर गया था। वहां उसे दो अज्ञात व्यक्ति मिले जिन्होंने उसे धर्मकांटा पर चलने के लिए कहा। जब वे हांसी पुल के पास पहुंचे तो अज्ञात लड़कों ने पिस्तोल दिखाकर ऑल्टो गाड़ी छीन ली और वहां से भाग गए। पुलिस ने शिकायत पर थाना बरवाला में केस दर्ज किया।

लकड़ी को दिया पिस्तोल का रूप

जांच अधिकारी ने बताया कि गाड़ी लूटने की सूचना मिलते ही पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में अलर्ट जारी किया, सभी पुलिस नाकों और पीसीआर को इस वारदात बारे सूचना दी गई। इस पर हिसार पुलिस की पीसीआर 20 व पीसीआर 9 ने थाना आजाद नगर क्षेत्र से आरोपियों को काबू कर लूटी गई गाड़ी को बरामद कर लिया। जांच अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने गाड़ी सवार व्यक्तियों को डराने के लिए लकड़ी के टुकड़े पर रूमाल लगा उसे पिस्तोल का रूप दिया था। आरोपियों से पूछताछ जारी है और उन्हें रविवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

पैक्स कर्मचारी संघ भिवानी व दादरी जिले की कार्यकारिणी गठित

नरेश बने पैक्स कर्मचारी संघ के जिला प्रधान

- संदीप सैन को लगातार 5वीं बार पैक्स कर्मचारी संघ के भिवानी व दादरी जिला के प्रैस सचिव की जिम्मेदारी सौंपी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

नेहरू पार्क में शनिवार को पैक्स कर्मचारी संघ के बैनर तले भिवानी व दादरी जिलों के पैक्स कर्मचारियों की बैठक हुई।

बैठक की अध्यक्षता संघ के प्रदेश अध्यक्ष अमृतलाल नैन एवं हिसार जिला के प्रधान अनिल पुनिया ने की।

बैठक के दौरान सर्वसम्मति से भिवानी व दादरी जिला की नई जिला कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हुआ। प्रेस सचिव संदीप सैन ने बताया कि नरेश कुमार को भिवानी व दादरी जिला प्रधान, नरेंद्र कुमार चौहान को महासचिव, आनंद सिंह को कोषाध्यक्ष, सुरेश को कार्यकारी अध्यक्ष, शिवचरण व वजीरसिंह को उपाध्यक्ष, सुरेंद्र कुमार को मुख्य ऑडिटर, संदीप सैन को प्रेस सचिव, कालूराम को सह सचिव, राजबीर सिंह को मुख्य सलाहकार की जिम्मेवारी सौंपी गई।

सूचना

मैं, रंजना रानी पत्नी स्व. श्री अजय कुमार निवासी हालु बाजार, डा. प्यारे लाल की गली, भिवानी तहसील व जिला भिवानी-127021 बयान करती हूं कि शादी के बाद ससुराल वालों ने मेरा नाम रंजना रानी से बदलकर मधु रख लिया है। रंजना रानी व मधु दोनों नाम मेरे ही दर्शाये गए हैं।

खबर संक्षेप

बवानीखेड़ा। बिजली व स्ट्रीट लाइट समस्या को लेकर वित्त मंत्री से मिलते हुए सुरेश ओड। फोटो : हरिभूमि

वित मंत्री से मिले भाजपा नेता ओड

बवानीखेड़ा। भाजपा नेता सुरेश ओड प्रदेश सरकार में वित मंत्री जय प्रकाश दलाल से मिले और उनसे रूबरू होकर कस्बा में काफी समय से बंद स्ट्रीट लाइट व बिजली समस्या से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पिछले काफी समय से कस्बा शाम होते ही अंधेरे में डूब जाता है लेकिन प्रशासन का रवैया इस और सुस्त है जिसके कारण लोगों को खासी समस्याओं का सामना करना पड़ता है व अंधेरा होने से चोर भी चोरी की घटना को अंजाम देते हैं। सुरेश ओड ने बताया कि वित मंत्री द्वारा उसी समय संबंधित प्रशासन को फोन करके इस समस्या का समाधान एक सप्ताह में करने की बात कही।

छात्राओं को डॉयल 112 के बारे में जानकारी दी

भिवानी। राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर त्रिलोकचंद तथा प्रोफेसर रेखा शर्मा की अध्यक्षता एवं कैप्टन डॉ. सविता के कुशल निर्देशन में महाविद्यालय में आई पुलिस डिपार्टमेंट की एसआई अमिता व सीमा ने महाविद्यालय की सभी छात्राओं को डॉयल 112 व ट्रिप मैनेजमेंट के बारे में बताया। इसके साथ साथ मॉकड्रिल करवाई। उन्होंने बताया कि एक शहर से दूसरे शहर में जाना लड़कियों के लिए बिल्कुल सुरक्षित है, अगर जाने से पहले वे एक लिंक पर रजिस्टर करें। लिंक करने के बाद उनकी पुलिस डिपार्टमेंट हेडक्वार्टर पर ट्रैकिंग रहती हैं। उन्होंने छात्राओं से डायल 112 और ट्रिप मेनेजमेंट के बारे में जागरूक किया।

राजकीय महिला कॉलेज में छात्राओं को दी प्राथमिक उपचार की जानकारी

मानव जीवन की रक्षा करना ही रेडक्रॉस का उद्देश्य : सचिव

बवानीखेड़ा के राजकीय महिला महाविद्यालय में जागरूकता शिविर का आयोजन किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। राजकीय महिला कॉलेज में छात्राओं को प्राथमिक उपचार की जानकारी देते विशेषज्ञ। फोटो : हरिभूमि

किसी भी दुर्घटना में सही समय पर सूझ-बूझ व जागरूकता से काम लिया जाए तो घायल व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। दुर्घटना में घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार देकर उसे अस्पताल तक पहुंचाने की जानकारी देने के लिए भिवानी रेडक्रॉस द्वारा समय-समय पर जागरूकता शिविर लगाए जाते है, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक प्राथमिक उपचार के ज्ञान को पहुंचाया जा सके। इसी कड़ी में उपायुक्त एवं रेडक्रॉस अध्यक्ष नरेश नरवाल के मार्गदर्शन में रैडक्रॉस ने शनिवार को बवानीखेड़ा के राजकीय महिला महाविद्यालय में एक दिवसीय बेसिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया।

इस दौरान विद्यार्थियों को जीवनदायनी विधि सीपीआर, रिकवरी पोजिशन, हड्डियों के टूट के कारण व उनके उपचार, सांप काटने पर दी जाने वाली सहायता, स्ट्रोक के समय दी जाने वाली फर्स्ट एड, जानवरों के काटने पर दी जाने वाली सहायता, घायल व्यक्ति को हॉस्पिटल तक ले जाने की विधियों के बारे अवगत करवाया। शिविर का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. रमन ने किया। उन्होंने जिला रैडक्रॉस सोसायटी के सचिव प्रदीप कुमार का आभार जताया कि उन्होंने उनके संस्थान के विद्यार्थियों को एक दिवसीय प्राथमिक उपचार एवं आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण दिया। सचिव प्रदीप ने कहा कि दिन प्रतिदिन सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही है, ऐसे में बहुत से घायल समय पर ईलाज न मिलने के कारण दम तोड़ देते है, इसीलिए रैडक्रॉस ने घायलों को प्राथमिक उपचार देकर उनकी जान बचाने के उद्देश्य से ये अभियान चलाया है। इस अवसर पर डॉ. प्रवीण, पूजा, मिथलेश सहित समस्त स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी मौजूद रहे।

शिक्षण संस्थानों में लगाए जा रहे प्राथमिक उपचार जागरूकता शिविर

उन्होंने कहा कि मानव जीवन की रक्षा करना ही रैडक्रॉस का एकमात्र उद्देश्य है तथा इसी उद्देश्य को हासिल करने के लिए वे विभिन्न शिक्षण संस्थानों में प्राथमिक उपचार जागरूकता शिविर लगा रहे हैं। फर्स्ट एड प्रवक्ता रामचंद्र ने बताया कि समय रहते घायल को प्राथमिक उपचार मिल जाए तो घायल का जीवन बचाया जा सकता है।

भिवानी। स्कूल स्टाफ को पंखे सौंपते पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेंद्र संभ्रवाल।

पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट ने स्कूल को भेंट किए 6 पंखे

- विद्यार्थियों को गर्मी से बचाने के लिए ट्रस्ट ने की मदद

हरिभूमि न्यूज : भिवानी

गर्मी का प्रकोप दिनो-दिन बढ़ता जा रहा है, गर्मी का मौसम उन विद्यार्थियों के लिए खासा परेशानी भरा रहता है, जिनके विद्यालयों में पंखों की कमी है।

इसी कड़ी में गर्मी के मौसम में स्कूली बच्चों को राहत देने के उद्देश्य से पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र संभ्रवाल ने शनिवार को गांव रिवाड़ी खेड़ा स्थित मॉडल संस्कृति राजकीय प्राथमिक पाठशाला में छह पंखें भेंट किए। स्कूल स्टाफ ने ट्रस्ट की सराहनीय सोच व कार्य के लिए आभार जताया। ट्रस्ट के संस्थापक संभ्रवाल ने कहा कि इन पंखों के कारण विद्यार्थियों को प्रचंड गर्मी से राहत मिलेगी, जिसके चलते वे अपनी पढ़ाई बिना रूकावट के जारी रख सकेंगे। उनका उद्देश्य विद्यार्थियों तक अधिक से अधिक मदद पहुंचाकर उनकी व शिक्षा के बीच की दूरी को खत्म करना है, ताकि बच्चें उच्च शिक्षित बनकर देश की तरक्की में अपना योगदान दे सकें। संभ्रवाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि वे बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करें।

भिवानी। विद्यार्थियों व स्टाफ को संस्कारमय जीवन जीने का संकल्प दिलवाते कवि रामप्रताप शर्मा। फोटो : हरिभूमि

संस्कारमय जीवन जीने का आह्वान

चरखी दादरी। शनिवार को गांव बौंदकलां स्थित आदर्श वमा विद्यालय के प्रांगण में कला एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक एवं हिन्दी हरियाणवीं कवि रामप्रताप शर्मा निवासी सांतौर ने अपनी ओजस्वी मधुरवाणी में स्वरचित रचनाओं की प्रस्तुति दी। काव्य पाठ के दौरान उन्होंने सामाजिक कुरीतियों से लेकर आधुनिक नैतिक मूल्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को संस्कारमय जीवन जीने का आह्वान किया। विद्यार्थियों को अपने माता-पिता एवं गुरूजनों के आदर्श मूल्यों पर चलने की शिक्षा दी। सभी स्टॉफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने इनकी काव्य रचनाओं को बड़े ध्यानपूर्वक एवं सजगता से सुना एवं आत्मसात करने की शपथ ली।

एचडी स्कूल में हेल्दी फूड कंपीटीशन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

आजकल की जीवनशैली में स्वस्थ आहार का महत्व बढ़ चुका है। अच्छे आहार से सेहत में सुधार होता है और रोगों से बचाव होता है। यह एक ऐसा अहम माध्यम है जो हमें ऊर्जा प्रदान करता है और शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। स्वस्थ आहार में फल, सब्जियां, अनाज, दूध और उससे बने पदार्थ शामिल होते हैं, जो विभिन्न पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। एचडी पब्लिक स्कूल बिरोहड़ के संस्कार सभागार में हेल्दी फूड कंपीटीशन के तहत आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को संबोधित करते हुए निदेशक बलराज फौगाट ने उपरोक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि जैसा खाए अन्न वैसा हो मन अर्थात हमारे भोजन का सीधा सा प्रभाव हमारे मन पर और हमारे विचारों पर पड़ता है।

- बच्चों को खाद्य पदार्थों का महत्व समझाया

चरखी दादरी। हेल्दी फूड प्रतियोगिता में हिस्सा लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

अतः हमें सात्विक भोजन करना चाहिए। जिससे हमारे अंदर सदाचार जैसी भावनाओं का विकास हो। प्राचार्या नमितादास ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से हम सभी को संदेश देना चाहते हैं कि हमें अपने आहार में संतुलित मात्रा में पोषक तत्वों को शामिल करना चाहिए।

शिविर में 25 लोगों ने किया रक्तदान

भिवानी। चौधरी बंसीलाल सामान्य अस्पताल के ब्लड बैंक में रोटरी क्लब भिवानी डाउनटाउन द्वारा एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर स्वर्गीय रामअवतार शर्मा की स्मृति में उनके सुपुत्र योगेश शर्मा के सहयोग से लगाया गया। शिविर का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. रघुबीर शांडिल्य ने किया। शिविर में 25 यूनिट ब्लड एकत्रित किया। शिविर में अशोक, दीपक मेहता, आदित्य शर्मा, मृणाल भारद्वाज, प्रमोद, सचिन राणा, विजेंद्र वर्मा, मुकेश व मंजीत सिंह आदि शामिल थे। क्लब की तरफ से पूर्व अध्यक्ष दर्शन कुमार मिड्ढा, पुनीत अत्री, पंकज ग्रोवर व क्लब अध्यक्ष ने डॉ. मोनिका सांगवान आदि ने सहयोग किया।

जंक फूड से बनाए दूरी: डॉ. सुमन

- जी लिट्रा वैली विद्यालय में येलो डे मनाया
- गर्मी में अधिक से अधिक पानी पीये और मौसम अनुसार फलों का करें सेवन : प्राचार्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। शिक्षिकाओं के साथ येलो वेशभूषा व खाद्य सामग्री लिए बच्चें।

जी लिट्रा वैली विद्यालय में कक्षा नर्सरी से पहली तक विद्यार्थियों ने येलो डे उत्साहपूर्वक एवं हर्षोल्लास से मनाया। सभी विद्यार्थी इसमें पीले रंग के वस्त्र पहनकर आए व पीले रंग के विशेषकर आम का रूप धारण करके आए। बच्चों ने फलों के राजा आम के प्रति अपना विशेष स्वाद व पसंद के रूप में अभिव्यक्ति कविताओं, चित्रों व सामूहिक नृत्य से प्रदर्शित किया। अध्यापिकाओं का आयोजन बच्चों को तनाव मुक्त करने, पढ़ाई को रोचक तरीके से करवाने व फलों का महत्व दर्शाना था। प्राचार्या डॉ. सुमन यादव ने नन्हे-मुन्ने बच्चों को येलो डे के बारे में बताया और पीले रंग की विशेषताओं से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि पीला रंग प्रसन्नता व सकारात्मकता की भावना पैदा करता है, हमें पौष्टिक आहार लेना चाहिए, जंक फूड से दूर रहना चाहिए, अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए और मौसम अनुसार फलों का सेवन भी करते रहना चाहिए। कार्यक्रम में एलकेजी की ताशी जैन ने आम का स्वाद पर कविता सुनाई। शैक्षणिक निर्देशिका दिव्या गर्ग, सुनीता त्रिखा, संजू आहूजा, रानी महता, चंचल गर्ग, ज्योति वालिया, मीनू, नृत्य अध्यापक हर्ष तनेजा, कला अध्यापक योगेश बरनेला आदि का सहयोग रहा। किंडर गार्डन की शिक्षिकाएं पीले रंग वस्त्र धारण करके उपस्थित रही।

बीआरसीएम में विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह आयोजित

- प्रतिभागी विद्यार्थियों ने पंजाबी, राजस्थानी व हरियाणवी नृत्य की सराहनीय प्रस्तुति दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

बीआरसीएम शिक्षण संस्थान के विद्याग्राम कैंपस में जीडीसी मेमोरियल कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह 2024 का आयोजन किया गया। कार्यक्त्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कॉलेज के तुषार को मिस्टर पर्सनलिटी व नेहा को मिस पर्सनलिटी का खिताब दिया गया। संस्थान निदेशक डॉ. एसके सिन्हा, बीआरसीएम सीईटी प्राचार्य डॉ. अनुज शर्मा, उपप्राचार्य सरस्वती दीक्षित, प्रधानाचार्य संदीप टंडन, डॉ. डीपी बूरा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। डॉ. एसके सिन्हा ने महाविद्यालय से विदाई ले रहे विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें अपने जीवन में उच्च लक्ष्यए शिक्षा के महत्व, अनुशासन, संस्कार, संस्कृति, सेवाभाव, उत्तम व्यक्तित्व व आज्ञाकारिता जैसे गुणों को अपनाते हुए अपने जीवन को सफल बनाने का संदेश दिया। प्रतिभागी विद्यार्थियों ने पंजाबी, राजस्थानी व हरियाणवी नृत्य की सराहनीय प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल में शामिल डॉ. अनीता तंवर, अंकुर मित्तल ने विजेता प्रतिभागियों की घोषणा की। इसमें विभिन्न संकायों में राहुल, ओमवीर, कर्मवीर को मिस्टर फेयरवेल व रूचि,खुशबू,शीतल को मिस फेयरवेल का खिताब दिया गया। इस अवसर पर जीडीसी कॉलेज के प्राध्यापक, विद्यार्थी, अभिवावक व अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

दुर्गा स्पोर्ट्स एकेडमी में श्री लाल बहादुर शास्त्री वमावि के रिहान ने जीता गोल्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

भिवानी जिले में दुर्गा स्पोर्ट्स एकेडमी में होने वाले मथ हुई खेल में श्री लाल बहादुर शास्त्री वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बवानी खेडा के रिहान सुपुत्र संदीप कुमार का कोच विक्रम फौजी की अगुवाई में शानदार प्रदर्शन रहा।

रिहान ने जिले स्तर पर हुए इस खेल में गोल्ड मेडल जीत कर अपने गांव ,विद्यालय, और अपने माता पिता का नाम रोशन किया। खेलो में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का संस्था प्रधान मुकेश भारद्वाज व संजय भारद्वाज द्वारा जोरदार स्वागत किया गया और उनको विद्यालय की तरफ से भी सम्मानित किया गया। विद्यालय प्राचार्य संजय बामल द्वारा सभी बच्चों को खेलो में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया तथा खेल कर आये खिलाड़ी और उनके अभिभावक को को बधाई दी और आगे भी बच्चो द्वारा इसी प्रकार से खेलो में उच्चतम प्रदर्शन का भरोसा दिलाया। कोच विक्त्रम फौजी ने बताया गया कि जिला स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने पर इस खिलाडी का राज्य स्तर पर सिलेक्शन होगा और आगे उन्होंने कहा की आगे भी बच्चो पर इसी तरह मेहनत करते रहेंगे और राज्य स्तर पर भी बेहतर परिणाम हासिल करेंगे।

बवानीखेड़ा। प्रतिभागी को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

भिवानी। शिक्षिकाओं के साथ विजेता विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

गीता श्लोकोच्चारण में प्राची प्रथम

भिवानी। केएम पब्लिक स्कूल में गीता श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता को करवाने का उद्देश्य छात्रों के मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक ज्ञान को बढ़ाना व गीता के श्लोकों को जीवन में अपनाकर अपने जीवन को सफल बनाना है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या रेनू सैनी, उपप्राचार्या नीलम गौतम, अमिता शर्मा,सुनील शर्मा, सारिका पंडित, रेखा श्योराण तथा सुनीता शर्मा ने मां सरस्वती और सेठ किरोड़ीमल की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण व द्वीप प्रज्ज्वलन करके किया। प्रतियोगिता में कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने गीता के श्लोकों को बड़े लयबद्ध तरीके से गाकर श्रोताओं को अपने साथ झूमने पर मजबूर कर दिया। प्रतियोगिता में कक्षा बारहवीं से प्राची प्रथम, कक्षा दसवीं से वैष्णवी द्वितीय, गौरव तृतीय तथा ज्योति ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

बीआरसीएम ज्ञानकुंज में प्रतियोगिता

बहल। बीआरसीएम ज्ञानकुंज स्कूल में कक्षा सातवीं व आठवीं के विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन एवं प्रोत्साहन के लिए दोहा गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हिंदी अध्यापिका चंचल गांधी के निर्देशन में किया गया। आयोजित कार्यक्रम में ज्ञानकुंज प्रधानाचार्य राजेश कुमार झाझरिया, उपप्रधानाचार्या सरस्वती दीक्षित व हिंदी व संस्कृत विभाग के अध्यापकों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित किया गया। कक्षा सातवीं एवं आठवीं के विद्यार्थियों ने भक्तिकाल के कवियों कबीरदास, सूरदास, रहीम व मीराबाई के दोहों का गायन करके अर्थ सहित व्याख्या प्रस्तुत की। प्रतियोगिता में करीब 30 विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अपने स्वरों एवं गायन शैली के माध्यम से पूरे सभागार का मन मोह लिया।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

जिलेभर में बेसहारा घायल गोवंश के उपचार का चलाया अभियान

गोवंश का उपचार कर मनाया विश्व पशु चिकित्सा दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग ने शनिवार को विश्व पशु चिकित्सा दिवस मनाया। गौरतलब हैं कि विश्व पशु चिकित्सा दिवस हर वर्ष अलग थीम के साथ मनाया जाता है। इस बार ये दिवस वेटनेरियन आर एसेन्सीयल हेल्थ वर्कर्स की थीम के साथ मनाया गया। इसी कड़ी में पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. रविंद्र सहरावत के निर्देशानुसार विभाग द्वारा शनिवार को जिलेभर में ये जोर-शोर से दिवस मनाया। पशु चिकित्सालयों में पशुओं को एंटी रेबीज की वैक्सीन निःशुल्क लगाई गई। इसके अलावा सेमिनारों का आयोजन किया तथा शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को पशुओं से प्यार करने, उनकी उचित देखभाल करने व पशुओं से इंसानों से फैलने वाली बीमारियों व बचने के उपायों के बारे में जानकारी दी। पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. रविंद्र सहरावत के निर्देशानुसार पशु चिकित्सक विजय सनसनवाल ने विश्व पशु चिकित्सा दिवस पर महम रोड स्थित गोशाला में बेसहारा घायल गोवंश का उपचार करने का अभियान चलाया। गोशाला के एक्सटेंशन ऑफिसर मोहनलाल बालेसरा ने इसे सराहनीय कदम बताया और लोगों को गोसेवा के प्रति जागरूक किया। इस मौके पर रीतू, अर्जुनदेव, निखिल, निशांत, महेश, राघव, विक्रम, अंचल, सुक्रम शर्मा आदि मौजूद रहे।

भिवानी। बेसहारा घायल गोवंश का उपचार करते चिकित्सक व अन्य।

- पशुओं के स्वास्थ्य का महत्व बताना ही विश्व पशु चिकित्सा दिवस का उद्देश्य : डॉ. विजय

ब्लॉक को याद करने के तरीके बताए

बहल। बीआरसीएम ज्ञानकुंज स्कूल के विज्ञान विभाग द्वारा बाहरवीं के विद्यार्थियों ने साइंटिफिक सैटरडे के तहत रासायनिक तत्वों की आवर्त सारणी के भिन्न भिन्न ब्लॉक को याद करने के नुक्ते बताएं। वक्ताओं ने बताया कि उसका निजी जीवन में कैसा उपयोग होता है। शुक्रवार को प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों के सम्मुख प्रेक्टिकल करके दिखाया। जिससे विद्यार्थियों ने रासायनिक तत्वों की आवर्त सारणी को आसान तरीके से सीखने के गुर सीखे। प्रधानाचार्य राजेश कुमार झाझरिया ने सभी विद्यार्थियों को ऐसी गतिविधियों में बढ़ चढक़र भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 28 अप्रैल 2024

स्पेशलः इंटरनेशनल डांस-डे, 29 अप्रैल

हाल के सालों में देश-विदेश में डांस को फिजिकल और मेंटल हेल्थ के लिए बहुत उपयोगी गतिविधि माना जाने लगा है। यह तथ्य तो सही है ही, लेकिन डांस हमारे भीतर सकारात्मकता और संवेदनशीलता का संचार करता है, सौंदर्यबोध बढ़ाता है। डांस से हम बेहतर इंसान बनते हैं और जीवन को आनंद के साथ जीने के लिए आत्मप्रेरित भी होते हैं।

जीवन की लय पर पैरों की थिरकन

{ कवर स्टोरी / संध्या सिंह }

अमेरिकन कॉलेज ऑफ कॉर्डियोलॉजी, जो कि एक गैरलाभकारी चिकित्सा संस्था है, उसके मुताबिक डांस यानी नृत्य गंभीर हृदय रोगी को भी जीवनदान दे सकता है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि डांस सामान्य जीवन की कितनी सकारात्मक गतिविधि है। समाजशास्त्रियों से लेकर मनोचिकित्सकों तक और हृदय रोग विशेषज्ञों से लेकर सामान्य लोगों तक का मानना है कि डांस हमारे फिट रहने का सबसे आसान और सरस तरीका है।

स्वास्थ्य के लिए संजीवनी

नृत्य अपने आप में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है। इसलिए इसका महत्व इस लिहाज से बहुत ज्यादा होता है। हालांकि नृत्य की अपनी एक सामाजिक दुनिया भी है और वह कम प्रभावशाली या कम महत्व की नहीं है। लेकिन ज्यादातर आम लोगों के लिए नृत्य के सर्वाधिक फायदे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से ही जुड़े होते हैं। आम लोगों के लिए नृत्य शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए खजाने की तरह है। अमेरिकी हृदय स्वास्थ्य विशेषज्ञ, नृत्य को मांसपेशियों की ताकत, भावनात्मक सहन शक्ति और फिटनेस की अपार संभावनाओं वाला केंद्र मानते हैं। मेडिकल निष्कर्षों के मुताबिक डांस करने से 70 से 80 फीसदी तक हृदय बिना और कोई उपाय किए स्वस्थ रहता है। डांस करने से दो दर्जन लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियां जैसे चिंता, डिप्रेशन, हाइपरटेंशन और एंजाइटी आपके पास नहीं फटकती हैं। रेग्युलर डांस करने वाले लोगों का शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य तो बेहतर होता ही है, उन्हें कभी ऑस्टियोपोरेसिस का खतरा नहीं रहता। इससे फेफड़ों का स्वास्थ्य बेहतर होता है और कभी वजन भी नहीं बढ़ता है।

बढ़ती है संवेदनशीलता-सकारात्मकता

आज के दौर में नृत्य एक बड़ा कारोबार और कई रचनात्मक कलाओं का केंद्र भी बन गया है। जितने भी परफॉर्मिंग आर्ट हैं, डांस उन सबका सेंटर प्वाइंट है। लेकिन नृत्य के ये संदर्भ उन कुछ रचनात्मक लोगों से ही हैं, जो नृत्य के लिए समर्पित हैं और नृत्य की लय को जीवन की लय मानते हैं। डांस करने से आत्मविश्वास में सर्वाधिक बढ़ोत्तरी होती है। यह आपकी संज्ञानात्मक मेधा में वृद्धि करता है। डांस करने से शरीर में एक लयात्मकता आती है और भरपूर लचीलापन न सिर्फ शारीरिक अंगों मे बल्कि स्वभाव और संवेदना में भी दिखता है। डांस नए दोस्त बनाने में मददगार होता है और हमारे भीतर रचनात्मकता, आत्म अनुशासन और सहयोगात्मक रूप से काम करने की क्षमता विकसित करता है।

यह तो कहने की जरूरत ही नहीं है कि डांस हमारे भीतर सौंदर्यबोध को पैदा ही नहीं करता, उसमें वृद्धि भी करता है। इसीलिए माना जाता है कि एक डांसर की आंखें दुनिया का सृजन देखती हैं। अमेरिका में हुए एक शोध के मुताबिक प्रतिदिन एक घंटे डांस करने वाले लोग बहुत रेयरली किसी आपराधिक घटना में शामिल पाए जाते हैं। नियमित डांस करने वाले लोगों के दिल दिमाग में ऐसे हार्मोन पैदा ही नहीं होते, जो उन्हें किसी भी तरह की आक्रामकता या अपराध की तरफ उन्मुख करें। डांस में इस तरह की सकारात्मकता और संवेदना होती है, जो व्यक्ति को शांत और सौम्य बनाती है। हर डांस करने वाला व्यक्ति लगभग सभी रचनात्मक कलाओं में रुचि लेता है, क्योंकि डांस उसके मन की कंडीशन और 'स्टेट ऑफ माइंड' यानी मनःस्थिति को संवेदना से भर देता है।

एक लय में हो जाते हैं तन-मन

डांस करने वाले के दिमाग में कार्टीसोल नामक हार्मोन का स्तर बेहद कम होता है और ऑक्सीटोसिन हार्मोन का स्तर बढ़ता है यानी फीलगुड हार्मोन की मात्रा बढ़ती है। इसीलिए इंसान द्वारा की जाने वाली सबसे खूबसूरत और खुशहाली से भरी गतिविधि डांस को माना जाता है। कहते हैं, डांस जानने वालों को संगीत की जानकारी स्वतः ही हो जाती है, क्योंकि डांस करने वालों का शरीर ही नहीं, मन भी लय में रहता है और लय संगीत के साथ सहजता से आत्मसात हो जाता है। दुनिया में डांस के अलावा दूसरी ऐसी कोई सक्रिय गतिविधि नहीं है, जिसमें तन और मन एक लय में हो जाते हों। इसीलिए डांस सीखने से कई अन्य कलाओं से भी लगाव बढ़ने लगता है। कहने का सार यही है कि डांस केवल एक कला नहीं, केवल स्वास्थ्य सुधारने का जरिया नहीं बल्कि जीवन को आनंद के साथ जीने की एक अद्वितीय शैली भी है। *

ऐसे हुई डांस-डे की शुरुआत

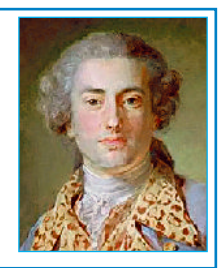

डांस के महत्व के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए हर साल 29 अप्रैल को इंटरनेशनल डांस-डे मनाया जाता है, क्योंकि यह तारीख आधुनिक बैले डांस के जनक जीन-जॉर्जेस नोवरे का जन्मदिन है। 1727 को नोवरे इसी दिन पैदा हुए थे। इसलिए साल 1982 से इस दिन को अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। हर साल नृत्य दिवस की एक थीम होती है और उस थीम का एक सांकेतिक महत्व होता है। जैसे साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस की थीम थी-नृत्य दुनिया के साथ संवाद करने का एक तरीका। जबकि इस साल नृत्य दिवस की थीम है-थिएटर और शांति की संस्कृति यानी साल 2024 के नृत्य दिवस की थीम विश्व रंगमंच को समर्पित है।

{ फिटनेस / शिखर चंद जैन }

मस्ती वाला वर्कआउट डांसरसाइज

इन दिनों डांस के साथ एक्सरसाइज यानी डांसरसाइज का ट्रेंड बढ़ रहा है। इनके डिफरेंट टाइप्स के जरिए अनेक यंगस्टर्स मस्ती के साथ खुद को फिट रख रहे हैं। क्या है डांसरसाइज, आप भी जानिए।

गर्मी के दिनों में सूरज सुबह-सुबह ही तेज चमकने लगता है, इसलिए पसीने और गर्मी के डर से घर से बाहर जाकर वर्कआउट करने का मन अकसर नहीं करता है। लेकिन शरीर के लिए एक्सरसाइज बहुत जरूरी है। ऐसे में आप घर में ही पंखा/कूलर चलाकर बोर हुए बिना फुल मस्ती के साथ डांसरसाइज कर सकते हैं।

जाज डांसिंगः सुडौल पैर, जांघें और कमर के लिए जाज डांसिंग आपके लिए परफेक्ट है। इसमें आपको लीप्स, किक्स और जंप्स लेने होते हैं, जिनसे पैरों और जांघों की अच्छी खासी एक्सरसाइज हो जाती है। इससे न सिर्फ लचीलापन और शरीर का संतुलन दुरुस्त होता है बल्कि पोश्चर भी सही हो जाता है। इस डांस में हाथों के मूवमेंट भी खूब होते हैं, जिससे बाहों और हाथों का भी अच्छा वर्कआउट हो जाता है।

शिबामः 45 मिनट सेशन का यह डांस आधारित वर्कआउट विदेशों में सुपरहिट हो चुका है। इसमें लैटिन और हिप-हॉप साउंडट्रेक पर सिंपल डांस स्टेप्स परफॉर्म करने होते हैं। शिबाम की एक क्लास में 600 से ज्यादा कैलोरी तो बर्न होती ही है, साथ ही स्ट्रेस से भी राहत मिलती है। किसी कुशल ट्रेनर की देखरेख में इसकी कुछ क्लासेज अटेंड करने के बाद आप खुद ट्रेंड हो जाएंगे। शिबाम में डांस मूव्स को एरोबिक वर्कआउट के साथ ब्लेंड किया गया है। संगीत के साथ जब शरीर थिरकता है, तो आपको दोहरा लाभ मिलता है तन और मन दोनों फिट होते हैं। इस वर्कआउट से स्टेमिना और कार्डियोवैस्कुलर फिटनेस बढ़ने के साथ-साथ ढेर सारी कैलोरी भी बर्न होती है। तीव्रता के साथ किए गए शिबाम से प्रति घंटे 800 कैलोरी तक बर्न कर सकते हैं।

जाज डांसिंग करते यंगस्टर्स

जुंबाः कोलंबियन फिटनेस एक्सपर्ट द्वारा डिजाइन किया गया यह वर्कआउट हमारे देश में भी खूब पॉपुलर हो रहा है। लैटिन म्यूजिक के साथ इसमें तरह-तरह के डांस फॉर्म्स का मिक्सचर है जैसे- सालसा, बेली डांसिंग, सोका, रिगेटन आदि। जुंबा कई प्रकार का होता है जैसे स्विमिंग पूल में एक्वा जुंबा किया जाता है। बच्चों के लिए जुंबा किड्स है और बुजुर्गों के लिए जुंबा गोल्ड है। तरह-तरह के डांस पर थिरकते हुए शरीर की अच्छी-खासी वर्जिश हो जाती है। दिलचस्प होने की वजह से इसे करने में मन भी लगा रहता है।

जुंबा डांसरसाइज करते यंगस्टर्स

पाइलेट्सः इसे मॉर्निंग वर्कआउट का हीरो कह सकते हैं। इसे एक जर्मन फिटनेस एक्सपर्ट ने शुरू किया था और 2005 के बाद से यह पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गया। कमजोर घुटनों और पीठ दर्द के लिए यह एक शानदार वर्कआउट है, जिसे चटाई पर लेटकर म्यूजिक के साथ किया जाता है। इससे कमर के नीचे का हिस्सा मजबूत होता है और इससे फ्लैक्सिबिलिटी आती है।

पाइलॉक्सिंगः स्वीडन के डांसर विविका जेनसन, जो बाद में पाइलेट्स ट्रेनर बन गए, ने इसकी शुरुआत की। पाइलेट्स और बॉक्सिंग का फ्यूजन है पाइलॉक्सिंग। पाइलॉक्सिंग नंगे पैरों से वजनदार ग्लव्स पहन कर की जाने वाली डांस एक्सरसाइज है। महिलाओं के लिए यह खासतौर पर फायदेमंद है, क्योंकि इससे उनकी फिटनेस और कॉन्फिडेंस दोनों बढ़ते हैं।

बॉलीवुड डांसिंगः एक्सरसाइज करने का मन नहीं है और मूड ऑफ है, तो बस बॉलीवुड के मस्ती भरे जोशीले गाने चला लें और उन पर थिरकना शुरू कर दें। आप फील ही नहीं कर पाएंगे कि फुल मस्ती में नाचते-नाचते आपकी पूरी बॉडी में मूवमेंट्स हो रहे हैं और अनजाने में ही घंटे भर का वर्कआउट हो गया। डांस से बॉडी में लचीलापन भी आता है।

मसाला भांगड़ाः आपके दिल के लिए यह जबर्दस्त कार्डियो एक्टिविटी है। यंगस्टर्स के लिए यह एक शानदार और मस्ती भरा वर्कआउट प्लान है। इसमें पॉप और भांगड़ा डांस का फ्यूजन है। इसमें ढोल की बीट पर फास्ट मूवमेंट्स किए जाते हैं। यह एक इंटेंस डांस वर्कआउट है। *

{ ट्रेडिशन / अंजू जैन }

प्राचीन-बहुरंगी-भव्य भारतीय नृत्य परंपरा

भले ही आज देश-विदेश में नृत्य की अनेक शैलियां विकसित हो चुकी हैं। लेकिन अपने देश में नृत्य परंपरा बहुरंगी, भव्य और अत्यंत प्राचीन रही है। यहां के शास्त्रीय और लोकनृत्यों की छटा देखते ही बनती है।

हमारे देश में नृत्य और संगीत का न सिर्फ धर्म और अध्यात्म से गहरा नाता रहा है, पौराणिक काल से इसकी परंपरा भी बरकरार है। प्राचीन ग्रंथों में से एक 'सामवेद' को संगीत का सबसे प्राचीन ग्रंथ माना जाता है। भरत मुनि का 'नाट्य शास्त्र' नृत्यकला का सर्वप्रथम और प्रामाणिक ग्रंथ माना जाता है। इंद्र की सभा में मेनका आदि अप्सराओं द्वारा नृत्य किए जाने का उल्लेख मिलता है। हड़प्पा सभ्यता में नृत्य करती हुई युवतियों की मूर्ति पाई गई है, जिससे साबित होता है कि उस काल में ही नृत्यकला का विकास हो चुका था। खजुराहो के मंदिर हों या कोणार्क के मंदिर, प्राचीन काल में निर्मित इन मंदिरों की दीवारों पर गंधर्वों की मूर्तियां अंकित हैं। उन मूर्तियों में लगभग सभी तरह के वाद्य यंत्रों और नृत्य भंगिमाओं को दर्शाया गया है। भगवान शिव के नृत्यरत नटराज स्वरूप के बारे में हम जानते ही हैं। उनका तांडव नृत्य भी सब जानते हैं। इसी तरह श्रीकृष्ण की रासलीला में भी नृत्य और संगीत का वर्णन मिलता है।

भरतनाट्यम

डांडिया

नृत्य का जनक है हमारा देशः हमारे देश के प्राचीन शास्त्रीय नृत्य दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। हमारे देश में नृत्य की परंपरा प्राचीन काल से ही चली आ रही है। भारत की नृत्य शैलियां दुनिया भर में लोकप्रिय हैं। दुनिया की कई नृत्य शैलियां तो हमारी प्राचीन नृत्यकला से ही प्रभावित हैं। नाट्यशास्त्र के अनुसार भारत में कई तरह की शास्त्रीय नृत्य शैलियां अलग-अलग राज्यों में विकसित हुई हैं जैसे- भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, ओडिसी, कथक, कथकली, यक्षगान, कृष्णअट्टम, मणिपुरी और मोहिनीअट्टम।

कुचिपुड़ी

भरतनाट्यमः यह नृत्य भारत के अति प्राचीन नृत्यों में शुमार है। इसका उल्लेख भरत मुनि के नाट्य शास्त्र में भी मिलता है। मूलतः तमिलनाडु के भरतनाट्यम नृत्य में भाव, राग और ताल का संगम होता है। इस नृत्य में चेहरे के हाव-भाव, हाथ, पैर की गतिविधियां और मुद्राओं द्वारा भावनाओं को अभिव्यक्त किया जाता है।

कथकः कथक का शाब्दिक अर्थ कथा होता है। प्राचीन काल में कथा यानी कहानी सुनाने वाले लोगों को कथक कहा जाता था। शुरुआत में यह नृत्य उत्तर भारत में ब्राह्मणों द्वारा मंदिरों में किया जाता था। यह नृत्य बालकृष्ण की लीलाओं, दंतकथा और अन्य पौराणिक कथाओं पर किया जाता है। इस नृत्य कला में चेहरे के हाव-भाव और मुद्राओं को विशेष महत्व दिया जाता है। इस नृत्य में मुकुट के साथ-साथ चेहरे के श्रृंगार के लिए विविध रंगों का भी प्रयोग किया जाता है। रामायण तथा महाभारत की कथा पर भी यह नाट्य नृत्य किया जाता है।

कुचिपुड़ीः कुचिपुड़ी आंध्रप्रदेश के कृष्णा जिले में एक गांव का नाम है। इसी गांव में कुचीपुड़ी नृत्य का जन्म हुआ। शुरुआत में यह नृत्य केवल पुरुष ब्राह्मणों द्वारा ही भगवान को समर्पित किया जाता था और पुरुष ब्राह्मण ही महिला का रूप लेकर नृत्य करते थे। समय बदला तो महिलाएं भी कुचीपुड़ी नृत्य में हिस्सा लेने लगीं। इस नृत्य में शारीरिक संतुलन का कौशल प्रदर्शित किया जाता है। पानी से भरा हुआ घड़ा लेकर तथा पीतल की थाली की किनारी पर भी यह नृत्य किया जाता है।

मणिपुरीः यह नृत्यकला अन्य शास्त्रीय नृत्य कलाओं से भिन्न है। मणिपुरी नृत्य कला में पोशाक भी अन्य नृत्यकलाओं से भिन्न होती है। इसमें शरीर धीमी गति से थिरकता है। इसमें तांडव और रास्य दोनों का समावेश किया जाता है।

ओड़ीसीः कोणार्क के सूर्यमंदिर तथा भुवनेश्वर की प्राचीन गुफा की दीवारों में इस नृत्य के चित्र मिलते हैं। इस नृत्य की मुख्य मुद्रा त्रिभंग है जिसमें सिर, शरीर और पैर तीन हिस्सों में बांटकर नृत्य अभिव्यक्त किया जाता है। इस नृत्य में भगवान विष्णु के अवतार जगन्नाथ, शिव और सूर्य की कथाएं नृत्य नाटिका से मंचित की जाती हैं।

लोकनृत्य की छटाः हमारे देश में तीज-त्योहारों या शादी-विवाह जैसे खुशी के मौकों पर भी नृत्य संगीत का आयोजन खूब किया जाता है। विभिन्न संस्कृतियों में अपनी-अपनी परंपरा के अनुसार घूमर, गिंदड़, चरकुला, गेर, चंग, डांडिया, रम्मत, ढोल और पणिहारी जैसे लोक नृत्यों का खूब आनंद उठाया जाता है। लोग तरह-तरह के स्वांग लेकर नाचते-झूमते हैं और जश्न मनाते हैं। जनजातियों की जीवनशैली का हिस्सा इन लोक नृत्यों की भी छटा देखते ही बनती है। चिकित्सक इन्हें स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायक मानते हैं। शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ संगीतमय लयबद्ध थिरकन से मानसिक अवसाद से भी राहत मिलती है। *

{ गजल }
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

जागो फैसले की घड़ी है

सभी को सियासत में अपनी पड़ी है
मुसीबत जहां थी वहीं पे खड़ी है
किए जा रहे हैं फकत घोषणाएं
अभी पास सबके तिलिस्मी छड़ी है
अगर चाहते हो चमन में महकना
तो जागो जरा फैसले की घड़ी है
तुम्हारे मतों पर है कायम सिंहासन
सभी की नजर अब तुम्हीं पे गड़ी है
बहुत काम बाकी है अब भी वतन में
प्रशासन है ढीला व्यवस्था सड़ी है
न जाने कहां जोश हमको ले जाए
अभी दास्तां हसरतों से बड़ी है
इसे भूख से प्यास से क्या गिला हो
जो हीरे जवाहर कनक से जड़ी है
दिखा देंगे इकदिन तुम्हें अपना जौहर
हमारी नजर में भी पुख्ता कड़ी है
यहां से वहां तक हैं 'नवरंग' कांटें
बढ़े पांव जब भी विवशता अड़ी है

{ लघुकथाएं }

अपना हित

भोला सुबह-सुबह काम की तलाश में घर से निकल चुका था। वह रोज दिहाड़ी मजदूरी करता है। इसी मजदूरी से उसके घर का चूल्हा जलता है। आज भी वह रोज की तरह घर से कुछ दूरी पर बने उस ठिकाने पर आकर खड़ा हो गया, जहां से शहर के लोग दिहाड़ी मजदूर लेकर जाते हैं। भोला यह सोच ही रहा था कि पता नहीं आज काम मिलेगा या नहीं? तभी वहां सफेद कुर्ता-पाजामा पहने एक व्यक्ति आया, भोला से बोला, 'तुम लोग आज के दिन भी मजदूरी करने जा रहे हो। यह तो गलत बात है।' 'क्यों गलत बात है?

आज ऐसा क्या है, जो हम मजदूरी नहीं कर सकते हैं?' भोला ने पूछा। 'आज श्रमिक दिवस है। इसे मई दिवस भी कहते हैं। यह तुम जैसे मजदूरों को अपने अधिकारों और हितों को समझने का दिन है। मैं तुम्हारे हित के लिए आया हूं। चलो हमारे साथ सामने वाले पार्क में, वहां एक बड़ी सभा है। एक बड़े नेताजी आ रहे हैं, उनका भाषण है। नेता जी तुम्हारे अधिकारों के बारे में बताएंगे। तुम्हारे हितों की बात करेंगे।' वह व्यक्ति बोला। भोला उस आदमी से बोला, 'अच्छा तो तुम हमारे हित के लिए आए हो। हम मजदूरों का हित तो अपनी मजदूरी करने में है। अगर आज हम काम नहीं करेंगे तो हमारे घर चूल्हा नहीं जलेगा।

हमारे बीवी-बच्चे भूखे रह जाएंगे। नेता जी के भाषणों से हमारे घर का चूल्हा नहीं जलेगा, हमारा पेट नहीं भरेगा। हमें मालूम है, चुनाव आ गए हैं। इस सभा में नेता जी जो बोलेंगे, उसके पीछे हमारा नहीं, उनका हित होगा। इतने सालों में नेता जी हम मजदूरों के हित की बात करने नहीं आए, अब चुनाव के समय उन्हें हमारी सुधि आई है। क्षमा करें श्रीमान जी, हम आपके नेता जी का भाषण सुनने नहीं जा पाएंगे।' यह सुनकर वह व्यक्ति चुपचाप वहां से चला गया। *

- ललित शौर्य

कच्चे पपीते

सुनो जी, ये इतने ढेर सारे कच्चे पपीते क्यों ले आए? घर में कोई पपीते पसंद नहीं करता। इनका मैं क्या करूं?' पत्नी ने झल्लाते हुए पति से कहा।

'अरे! भाग्यवान इनकी सब्जी बना लो या हलवा बना लो।' पति बोले। 'तुम्हें तो पपीते की सब्जी बिल्कुल पसंद नहीं है, हलवा बच्चे पसंद नहीं करते। मुझे समझ नहीं आया कि जब घर में कोई कच्चा पपीता पसंद नहीं करता तो तुम बेवजह इतने ढेर सारे कच्चे पपीते लेकर ही क्यों आए?' पत्नी और ज्यादा झल्लाकर बोली। 'सच बात बताऊंगा, तुम गुस्सा तो नहीं करोगी? वो क्या है कि सड़क किनारे एक वृद्धा कच्चे पपीते बेच रही थी।

वह किसी महिला से कह रही थी, बहन जी, पपीते ले लो। दो दिन से मेरे घर चूल्हा नहीं जला है। कम दाम में ले लो। किंतु उसका पपीता उसने क्या, किसी ने भी नहीं खरीदा। मुझे उस पर दया आ गई। मैंने उस वृद्धा से पूछा- माता जी, ये पपीते कितने पैसे में देंगी? तो वह बोली-बेटा, जो उचित लगे दे दो। भगवान तुम्हारा भला करेगा। क्या करूं बेटा, बहुत गरीब हूं। घर पर दो-चार पपीते के पेड़ हैं। वही जीने का सहारा हैं। पके पपीते कुछ दिन पहले बेचे थे। उससे दो दिन घर में चूल्हा जला, लेकिन अब पके पपीते नहीं हैं तो कच्चे ही तुड़वा कर लाई हूं ताकि मेरी छोटी सी पोती को खाने को भोजन मिल जाए। वो भी दो दिन से भूखी है। बहू-बेटे दो साल पहले कोरोना में नहीं रहे। तब से जैसे-तैसे गुजारा कर रही हूं। बस मैंने उसके सारे पपीते सौ रुपए में खरीद लिए।' पति ने डरते हुए सारी बात पत्नी से कह दी। यह सुनकर पत्नी भी दुखी होकर बोली, 'ओह! बेचारी गरीब वृद्धा को सौ नहीं दो सौ रुपए दे देना था ताकि वे लोग भरपेट खाना खा पाते।'

पति यह सुनकर पत्नी का मुंह देखते ही रह गए। *

- डॉ. शैल चंद्रा

{ पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश }

जीतने की जिद

एक व्यक्ति की आवाज किस तरह उसकी जिंदगी के सारे फैसलों को नियंत्रित कर सकती है। खुशियों के सारे दरवाजे बंद कर सकती है। हीनभावना से भर सकती है। दोस्तों के आगे शर्मिंदा कर सकती है। आत्महत्या तक पहुंचा सकती है, इसका अंदाजा भगवंत अनमोल के उपन्यास 'गेरबाज' को पढ़कर लगा सकते हैं। अपनी बात को समय पर सही ढंग से न बोल पाना भी पीड़ादायक हो सकता है, यह आप इसे पढ़ते हुए महसूस करेंगे। इस किताब में लेखक ने बड़ी सूक्ष्मता से एक हकलाने वाले व्यक्ति की मनोदशा और उसके जीतने की जिद को चित्रित किया है। यह हकलाहट की समस्या पर लिखा गया एक पठनीय उपन्यास है। *

पुस्तकः गेरबाज (उपन्यास), **लेखकः** भगवंत अनमोल, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (पेंगुइन स्वदेश), गुरुग्राम

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

गर्मी की छुट्टियों में अधिकतर लोग कहीं ना कहीं घूमने का प्लान बनाते ही हैं। अगर आप नेचर लवर हैं और एडवेंचरस ट्रैवलिंग का मजा लेना चाहते हैं तो इस बार जंगल सफारी के लिए जा सकते हैं। अपने घर से निकटतम किसी राष्ट्रीय उद्यान का चयन करें और निकल पड़ें। लेकिन इस दौरान आपको सफारी से जुड़ी कुछ बातों का ध्यान भी रखना होगा।

अगर आप कर रहे हैं जंगल सफारी की प्लानिंग

एडवेंचर ट्रैवेलिंग / विवेक कुमार

भारत की अद्वितीय जैवविविधता की प्रसिद्धि हमारे देश में ही नहीं पूरी दुनिया में है। हर साल पूरी दुनिया से लाखों पर्यटक यहां घूमने के लिए आते हैं। पूर्व हो या पश्चिम, उत्तर हो या दक्षिण, भारत के जंगलों में दुनिया के दुर्लभतम जानवर पाए जाते हैं। इन घने जंगलों, घास के मैदानों और दलदलों में स्थित भारत के जंगलों में देखने के लिए बहुत कुछ होता है। लोग यहां की सफारी करते हैं।

निर्देशों का पालन है जरूरी

अगर आप भी गर्मी की इन छुट्टियों में कहीं घूमने जाना चाहते हैं तो जंगल की सफारी का भी मजा ले सकते हैं। इसके लिए हालांकि पहले से बुकिंग करानी होती है और इसके कुछ नियम कायदे कानून होते हैं, जिनका पालन करना जरूरी होता है। हर

जंगल सफारी में अनुभवी गार्ड और पार्क के अधिकारियों द्वारा जो सुरक्षा निर्देश जारी किए जाते हैं, उनके बारे में पर्यटकों को पहले से अवगत कराया जाता है। उनकी जरा सी भी अनदेखी पर्यटकों के लिए ही नहीं बल्कि वन्यजीव दोनों की सुरक्षा के लिए खतरा साबित हो सकती है।

व्यक्तिगत गाड़ी से जाना प्रातिबंधित

जंगल सफारी के लिए सबसे पहला नियम तो यह है कि जंगल के भीतर आप अपना पर्सनल वाहन नहीं ले जा सकते हैं। इसके लिए जंगल प्रशासन द्वारा ही गाड़ी मुहैय्या कराई जाती है। सफारी के दौरान रंग-बिरंगे ड्रेसेस पहनने की बजाय ब्राउन और ग्रीन कलर की ड्रेसेस, जो वहां के वातावरण से मेल खाते हैं, उन्हें ही पहनकर जाना चाहिए। सफारी के दौरान गाड़ी से बाहर नहीं निकलना चाहिए। जानवरों को नजदीक से देखने का मोह नहीं पालना चाहिए। सफारी की गाड़ी खुली होती है, जिसमें आप इत्मीनान से जंगली जानवर को देख सकते हैं।

जानवरों के नजदीक जाने से बचें

हालांकि यह जरूरी नहीं कि आपको जानवर पास से देखने को मिलें, क्योंकि सफारी द्वारा जंगल के भीतर जो रास्ता बनाया जाता है, उसी सड़क पर चलना होता है। इन रास्तों को पर्यटकों की सुरक्षा और वन्यजीवों के संरक्षण को मदेनजर रखते हुए बनाया जाता है। गाड़ी से बाहर निकलकर जानवर को नजदीक से देखने के चक्कर में या उसको करीब से फोटो लेने से भी बचना चाहिए। जंगल की सफारी में फ्लैश फोटोग्राफी की अनुमति नहीं दी जाती, क्योंकि कैमरे की फ्लैश से जानवर परेशान हो सकते हैं और वो घबराकर आप पर हमला भी कर सकते हैं। सफारी में किसी भी तरह का हथियार लेकर जाने की भी मनाही होती है। सफारी का उद्देश्य वन्यजीवों को दूर से देखना होता है। उनको बहुत करीब से देखने के चक्कर में उनके पास नहीं जाना चाहिए, क्योंकि इससे वे डर सकते हैं। यदि आपके साथ गाइड है तो आप उसे ज्यादा करीब ले जाने के लिए दबाव न डालें। सफारी से उतरकर इधर-उधर पैदल ना घूमें। इससे आप रास्ता भटक सकते हैं।

जानवरों को ना करें परेशान

जानवरों को देखकर उन्हें आवाजें लगाने से उनका प्राकृतिक व्यवहार बिगड़ सकता है। उनके पास जाकर अनावश्यक शोर नहीं करना चाहिए, ना ही संगीत बजाना चाहिए। तेज आवाज वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने की मनाही होती है। यदि आपको जानवर पास से दिखाई दे तो उन्हें खाने के लिए कुछ नहीं दें। इससे उनको स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं।

पर्यावरण का रखें ध्यान

जंगल में खाने के लिए आप जो भी सामान लेकर जाते हैं, कोल्ड ड्रिंक की बोतल, पानी की बोतलें, चिप्स के पैकेट इन सबका कूड़ा वहां ना छोड़कर आएं बल्कि इन्हें अपने साथ लाएं। जंगल में रहने वाले स्थानीय आदिवासियों से भी अनावश्यक मेल-मिलाप ना करें। उनकी तस्वीर उनकी अनुमति के बगैर ना लें। आदिवासियों की संस्कृति और रीति-रिवाजों का सम्मान करें। यहां बताए गए नियमों का ध्यान रखेंगे तो निश्चित ही आपकी जंगल सफारी शानदार और हमेशा यादगार रहेगी। *

राज्य के अनुसार प्रमुख जंगल सफारी

- जवाई बांध तेंदुआ संरक्षण रिजर्व, राजस्थान
- काबिनी वाइल्ड लाइफ सेंचुरी, कर्नाटक
- जिम कार्बेट नेशनल पार्क, उत्तराखंड
- रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान
- काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, असम
- कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, मध्य प्रदेश
- सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिम बंगाल
- पेरियार राष्ट्रीय उद्यान, केरल
- बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान, मध्य प्रदेश
- बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान, कर्नाटक
- ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व, महाराष्ट्र
- पेंच राष्ट्रीय उद्यान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र

युवाओं में बढ़ रहा ई-बाइक्स का क्रेज

बेहतरीन फीचर्स, अट्रैक्टिव, कॉम्पैक्ट, स्पोर्टी, फंकी लुक और ट्रेंडी डिजाइंस के कारण ई-बाइक्स आजकल युवाओं को खूब पसंद आ रहे हैं। इनकी खूबियों और आने वाले दौर में इनके ट्रेंड पर एक नजर।

ऑटो ट्रेंड / वी. कुमार

आज से कुछ साल पहले तक मोटर बाइक्स के मार्केट में ई-बाइक्स की डिमांड न के बराबर थी और युवाओं को तो ये ई-बाइक्स बिल्कुल भी पसंद नहीं आती थीं। लेकिन अब ई-बाइक्स को लेकर यंगस्टर्स की राय काफी बदल रही है।

यंगस्टर्स की बदल रही सोचः वैसे तो ई-बाइक्स हर आयु-वर्ग के लोगों को पसंद आ रही हैं, लेकिन चूंकि बाइक्स ज्यादातर युवा चलाते हैं, इसलिए यह कहना सही होगा कि युवाओं को ये ज्यादा पसंद आ रही हैं। आंकड़ों की बात करें, तो ऑटो मोबाइल को लेकर युवाओं की पसंद-नापसंद पर नजर रखने वाली एक प्रसिद्ध अमेरिकी बिजनेस वेबसाइट के अनुसार- आज अमेरिका में 67 फीसदी ई-बाइक्स के मालिक पुरुष हैं और 33 फीसदी की महिलाएं। इंटरेस्टिंग फैक्ट यह है कि अमेरिका में जितनी भी ई-बाइक्स पिछले तीन सालों में बिकी हैं, उनमें 63 फीसदी के मालिक 18 से 44 साल के युवा हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अमेरिकी युवाओं को किस कदर पेट्रोल-फ्री ई-बाइक्स पसंद आ रही हैं। गौरतलब है कि सिर्फ अमेरिका ही नहीं, दुनिया भर के युवाओं में ई-बाइक्स का क्रेज बढ़ा है।

पेट्रोल बाइक्स से बना रहे दूरीः पहले यह माना जाता था कि पॉवर और स्पीड के मामले में जो खूबी पेट्रोल वाहनों को हासिल है, वह इलेक्ट्रिक वाहनों को नहीं हासिल होगी। इसलिए यह अनुमान लगा लिया गया था कि आने वाले सालों में युवाओं को ई-बाइक्स पसंद नहीं आएंगी। लेकिन अब व्यावहारिक सच्चाई बदल चुकी है। आजकल ई-बाइक्स निर्माता दिन-ब-दिन इसके नए और अपडेटेड वर्जंस लांच कर रहे हैं। ऐसे में युवा-वर्ग इसकी ओर खासे आकर्षित हो रहे हैं। आज के युवा ई-बाइक्स को पेट्रोल बाइक्स के बेहतर विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

लुक्स-फीचर्स भी हैं अट्रैक्टिवः ई-बाइक्स को फीचर्स के मामले में भी अब अट्रैक्टिव माना जाने लगा है। देखा जाए तो ई-बाइक्स के जितने खूबसूरत, ट्रेंडी और फंकी डिजाइंस पिछले दो सालों में आए हैं, उतने डिजाइंस तो कभी पेट्रोल-बाइक्स में भी नहीं आए। युवाओं द्वारा ई-बाइक्स पसंद किए जाने का एक कारण इनका अल्ट्रामॉडर्न लुक भी है।

बढ़ रही है स्पीडः पहले यह माना जा रहा था कि ई-बाइक्स की रफ्तार बहुत कम होगी, लेकिन ऐसा नहीं है। हालांकि अभी तक इनकी रफ्तार अधिकतम 50 से 55 किलोमीटर प्रति घंटे तक ही है लेकिन उम्मीद है कि इस साल नवंबर-दिसंबर तक 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा रफ्तार वाली ई-बाइक्स अमेरिका और यूरोप में आ जाएंगी। आने वाले सालों में सौ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली ई-बाइक्स भी सड़कों पर दौड़ने लगेंगी।

लगती हैं कंफर्टेबलः ई-बाइक्स, पेट्रोल-बाइक्स की तुलना में हल्की होती हैं, इसलिए ये युवाओं के साथ-साथ हर आयु-वर्ग के लोगों को पसंद आ रही हैं। छोटे बच्चों और बुजुर्गों को पैडलिंग ई-बाइक्स भी खूब पसंद आ रही हैं। दरअसल, इनमें मोटर और बैटरी दोनों होती हैं, पर अगर दोनों ही काम न कर रहे हों तो पैडल मारने की सुविधा भी होती है। इन खूबियों के साथ पर्यावरण और भविष्य की चिंताओं से सरोकार रखने वाले युवाओं के साथ-साथ हर वर्ग के लोग पेट्रोल-बाइक्स के बेहतर विकल्प के तौर पर ई-बाइक्स को खूब पसंद कर रहे हैं।

और बढ़ेगा ट्रेंडः पिछले कुछ सालों में अमेरिका ई वाहनों का हब बनकर उभरा है। एक अनुमान के मुताबिक साल 2030 तक दुनिया में 10 करोड़ से ज्यादा लोगों के पास ई-बाइक्स होंगी। ई-बाइक्स दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाले इलेक्ट्रिक वाहन हैं। यहां तक कि बिक्री के मामले में ये इलेक्ट्रिक कारों से भी बहुत आगे हैं। भारत के संदर्भ में अगर भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की भविष्यवाणी पर यकीन करें तो अगले पांच सालों में भारत में सभी तरह के वाहनों में करीब 30 फीसदी से ज्यादा ई-वाहन होंगे। इसलिए अगर आज युवाओं को पेट्रोल फ्री ई-बाइक्स पसंद आ रही हैं तो मानना होगा कि वे भविष्य पर नजर रख रहे हैं। *

मौसमी फल / शिवचरण चौहान

ताजगी दे रसभरा तरबूज

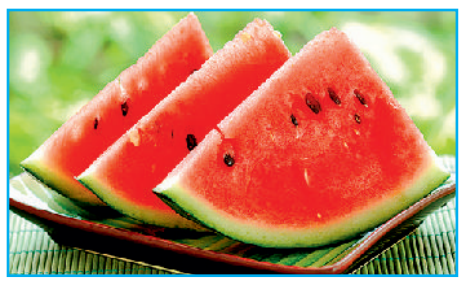

तीरा यानी तरबूज, बेल वाले पौधे में लगने वाला फल है। तरबूज यानी गर्मी में तन को तरावट देने वाला फल। यह गर्मी के मौसम में बालू वाली भूमि पर पैदा होता है। भारत में राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, बिहार आदि प्रदेशों में भी यह बहुतायत से उत्पन्न होता है। नदियों की बलुई जमीन में इसकी बेल, आसानी से उग आती है। तरबूज खाने से प्यास शांत होती है और लू नहीं लगती है।

कहां हुई इसकी उत्पत्तिः तरबूज दुनिया में आया कहां से, इसको लेकर बहुत मतभेद हैं। भारत के लोग दावा करते आए हैं कि तरबूज हमारे देश का देशज फल है। दुनिया के लोग अभी तक इसे सूडान का फल मानते रहे हैं। सफेद गूदे वाले तरबूज के फल सूडान के जंगलों में पाए जाते थे, जो जानवरों को खिलाने के काम आते थे और कम मीठे होते थे। ईरान में लाल गूदे वाले तरबूज पाए जाते थे और माना जाता था कि ईरान के रेगिस्तान में तरबूज की उत्पत्ति हुई है लेकिन 3300 वर्ष पूर्व मिस्र के तूती खामीन के मकबरे में तरबूज के बीज मिले थे तो माना गया कि तरबूज की उत्पत्ति मिस्र में हुई होगी। फिर 4300 वर्ष पूर्व की एक पेंटिंग मिस्र के एक गुंबद में मिली, जिसमें एक तश्तरी में कटे हुए तरबूज के लाल रंग की फांके के चित्र बने हुए हैं। इस आधार पर लोग मानने लगे कि मिस्र के लोग लाल गूदे वाले मीठे तरबूज के बारे में बहुत पहले से जानते थे। आज तरबूज पूरी दुनिया में प्यास बुझाने के लिए गर्मियों का एक प्रमुख फल है।

मौजूद प्रमुख तत्वः एक पके तरबूज में 90 प्रतिशत जल, 0.4 प्रतिशत प्रोटीन, 0.3 प्रतिशत वसा, 0.3 प्रतिशत खनिज तत्व, 4 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट और लोहा भी पाया जाता है। तरबूज के बीजों में 52 प्रतिशत तेल, 34 प्रतिशत प्रोटीन और अन्य तत्व होते हैं। बीजों की तासीर शीतल होने के कारण शरबत और लस्सी को बनाने में भी इसका प्रयोग किया जाता है।

कई रोगों में उपयोगीः तरबूज के बीज की गिरी मूत्र रोग में रामबाण है और मस्तिष्क को शक्ति प्रदान करती है। नियमित तरबूज खाने से पेट की खराबी में राहत मिलती है। सूखी खांसी के मरीज को लाभ मिलता है और उच्च रक्तचाप को भी नियंत्रित करता है। जोड़ों के दर्द में यह उपयोगी है। यह रक्त वर्धक भी होता है। लेकिन तरबूज अधिक नहीं खाना चाहिए। *

बड़ा पर्दा / हेमंत पाल

शुरुआती दौर से ही अलग-अलग जॉनर में हिंदी फिल्में बनती रही हैं। लेकिन उनमें से जिस जॉनर की फिल्में दर्शक सबसे ज्यादा पसंद करते हैं, उनमें सस्पेंस-थ्रिलर प्रमुख हैं। किस तरह ये फिल्में दर्शकों को अंत तक बांधे रखती हैं, अब तक की सबसे चर्चित सस्पेंस फिल्में कौन-सी रही हैं, इन पर एक नजर।

दर्शकों को भाती हैं खूब क्लाइमेक्स पर चौंकाने वाली फिल्में

फिल्मी पर्दे पर दर्शक अलग-अलग रंग देखते रहे हैं। उन्हीं में से एक रंग है फिल्म के अंत का रोमांच बनाकर रखना। शुरुआती दौर में इन फिल्मों के क्लाइमेक्स को इतना रोचक बनाया जाता था कि दर्शक समझ नहीं पाता कि ऐसा कैसे संभव है? ऐसी फिल्मों का अंत कुछ ऐसा होता था, जो देखने वालों को चौंकाता था। इनके कथानक को कुछ इस तरह रचा जाता था कि दर्शक उसके आकर्षण में फंस जाते थे। वे कहानी के ट्विस्ट की असलियत समझ नहीं पाते और जब राज खुलता तो ऐसा पात्र संदेहों से घिरा मिलता, जिस पर किसी की नजर नहीं जाती थी। सस्पेंस फिल्मों में चौंकाने वाले इस तरह के अंत का दौर अभी खत्म नहीं हुआ है।

नया नहीं थ्रिलर का क्रेजः पुराने दौर से लेकर अब तक कई थ्रिलर फिल्में आती रही हैं, लेकिन सभी दर्शकों को बांधने में सफल नहीं हो पाईं। याद वही फिल्में रहती हैं, जिन्होंने अपनी पटकथा और डायरेक्शन का जादू दिखाया। पुरानी फिल्मों में 'तीसरी मंजिल', 'ज्वेल थीफ', 'इत्तेफाक', 'गुमनाम' और आज के दौर की 'ए वेडनस-डे', 'बदला', 'हमराज', '100 डेज' के बाद आयुष्मान खुराना की फिल्म 'अंधाधुन' और अजय देवगन की दोनों 'दृश्यम' ऐसी ही फिल्में हैं, जिनके क्लाइमेक्स ने दर्शकों को चौंकने पर मजबूर कर दिया था। 'अंधाधुन' ने तो एक नया ट्रेंड बना दिया। इसमें एक अंधे आदमी का किरदार काफी रहस्यमय था। फिल्म की कहानी इसी के आस-पास घूमती है। इस पूरी फिल्म में अच्छा-खासा सस्पेंस बनाकर रखा गया।

विजय आनंद ने की शुरुआतः फिल्म इतिहास के पन्ने पलटे जाएं, तो हिंदी फिल्मों में मर्डर मिस्ट्री और सस्पेंस फिल्मों की शुरुआत का श्रेय विजय आनंद को जाता है। उन्होंने 'तीसरी मंजिल' और 'ज्वेल थीफ' उस दौर में बनाने की हिम्मत की, जब दर्शकों को ऐसी कहानियों का अंदाजा भी नहीं था। पर, विजय आनंद ने दर्शकों पर अपना जादू चलाया और उनकी ऐसी कई फिल्में पसंद की गईं। उन्होंने ऐसे कई प्रयोग किए, जो सस्पेंस से लबरेज थे।

दर्शकों को भाती हैं ऐसी फिल्मेंः सस्पेंस और थ्रिलर हमेशा ही दर्शकों का पसंदीदा फिल्म जॉनर रहा है। उन्हें ऐसी सस्पेंस फिल्में ही ज्यादा पसंद आती हैं, जिसके अंत के बारे में सारे अनुमान गलत निकलें। फिल्म के क्लाइमेक्स में ऐसा शख्स सामने आए, जिसका दर्शकों ने अनुमान भी नहीं लगाया हो! ऐसी ही फिल्में दर्शकों को बांधने वाली होती हैं। इसीलिए दर्शक सस्पेंस, थ्रिलर और मर्डर मिस्ट्री देखना पसंद करते हैं। हालांकि ये तीनों ही अलग-अलग शैलियां हैं। थ्रिलर फिल्मों में एक्शन होता है, लेकिन सस्पेंस नहीं। उनमें सस्पेंस की घटनाएं होती हैं, जिनका राज धीरे-धीरे खुलता रहता है। सस्पेंस फिल्म में न तो रहस्य जरूरी है और न एक्शन। इनमें चौंकाने वाले सीन ज्यादा होते हैं, जो दर्शक को सोचने का मौका भी नहीं देते। मिस्ट्री और सस्पेंस थ्रिलर फिल्में एक जैसी नहीं होती हैं। दोनों का ट्रीटमेंट अलग-अलग होता है। सस्पेंस फिल्मों में राज धीरे-धीरे खुलते हैं पर, मिस्ट्री फिल्मों में सिर्फ एक राज होता है, जिस पर से फिल्म के अंत में पर्दा उठता है। पूरी कहानी अनजान हत्यारे की खोज पर आधारित होती है। संदेह के लिए कई पात्रों को निशाने पर रखा जाता है। कभी फिल्म के नायक, नायिका या सबसे शरीफ पात्र के भी कातिल होने के हालात निर्मित किए जाते हैं। यानी दर्शकों को बांधने और उनका ध्यान बांटने के लिए कई हथकंडे रचे जाते हैं। दर्शकों को भी वही सस्पेंस फिल्में ज्यादा पसंद आती हैं, जो उन्हें चौंका दें। 'तीसरी मंजिल', 'ज्वेल थीफ', 'कत्ल' के बाद 'गुप्त' ऐसी ही रोचक फिल्में थीं, जिसके अंत का अंदाजा अनुमान से अलग था।

ये फिल्में रही हैं चर्चितः रामगोपाल वर्मा की 'कौन' को बॉलीवुड की बेस्ट साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म कहा जाता है। यह पूरी फिल्म घर में बंद एक लड़की (उर्मिला मातोंडकर) की कहानी है, जो अजनबी (मनोज बाजपेयी) से बचने की कोशिश में रहती है। लेकिन, फिल्म का क्लाईमेक्स दर्शकों के होश उड़ा देता है। इसी तरह की फिल्म 'फोबिया' भी थी, जिसमें राधिका आप्टे ने काम किया। बॉबी देओल, काजोल और मनीषा कोइराला की 'गुप्त' बेहतरीन सस्पेंस थ्रिलर फिल्म थी। इसमें अंत तक किसी का ध्यान नहीं जाता और खलनायिका काजोल निकलती है। विद्या बालन की 'कहानी' और 'कहानी-2' दोनों ही फिल्में दर्शकों को अंत तक कुर्सी से बांधकर रखती हैं। 'बदला' को भी मर्डर मिस्ट्री फिल्म माना जाता है। इसे अंत तक देखने के बाद ही समझ आता है कि आखिर सच्चाई क्या है?

हाल के वर्षों में आई सस्पेंस फिल्मों में 'दृश्यम' सीरीज सबसे अच्छी मानी जा सकती है। इसमें अपराधी सामने होता है, लेकिन न तो पुलिस उसे पकड़ पाती है और न दर्शकों को समझ आता है कि उसने ये सब किया कैसे होगा?

इन्हें भी किया दर्शकों ने पसंदः यहां ऊपर जिन फिल्मों का जिक्र किया गया उनके अलावा कुछ और फिल्में जैसे- 'मेरा साया', 'धुंध', 'अपराधी कौन', 'कब क्यों और कहां', 'वो कौन थी', 'डिटेक्टिव व्योमकेश बक्शी', 'भूल-भुलैया', 'तलवार' का भी जादू दर्शकों पर जमकर चला। *

मेल फैशन / प्रतिमा अरोड़ा

गर्मी के मौसम में अधिकतर यंगस्टर्स ऐसी ड्रेस पहनना चाहते हैं, जो कंफर्टेबल होने के साथ ट्रेंडी भी हों। यही वजह है कि इन दिनों चिनो शॉर्ट्स यंगस्टर्स को खूब भा रहे हैं। इनकी खासियतों के बारे में आप भी जानिए।

यंगस्टर्स को भा रहे हैं कंफर्टेबल चिनो शॉर्ट्स

गर्मी के मौसम में हम सभी ऐसी ड्रेस पहनना चाहते हैं, जो कंफर्टेबल हो और जिसमें गर्मी का अहसास भी कम हो। ये दोनों खूबियां चिनो शॉर्ट्स में मौजूद होती हैं, इसीलिए यंगस्टर्स इन्हें काफी पसंद करते हैं। चिनो शॉर्ट्स, शुद्ध सूती कपड़े के बने होते हैं। यानी इनका फैब्रिक, कपास (कॉटन) से बना होता है। इसलिए गर्मी के मौसम में पहनने के लिए चिनो शॉर्ट्स परफेक्ट माने जाते हैं।

वैरायटीज हैं बहुतः वैसे तो चिनो शॉर्ट्स में आपको कलर्स और डिजाइन की बहुत वैरायटीज मिल जाएंगी लेकिन इस साल खाकी चिनो शॉर्ट्स ट्रेंड में हैं। वैसे आप अपनी पसंद के किसी दूसरे कलर का चिनो शॉर्ट्स भी ले सकते हैं। वैरायटी की लंबी रेंज की वजह से ही यंगस्टर्स ही नहीं हर एज ग्रुप के लोग इसे पहन सकते हैं। देश-विदेश में कई ब्रांडेड कंपनियां चिनो शॉर्ट्स बनाती हैं। इसकी वजह यह है कि पूरी दुनिया में इन दिनों युवाओं के बीच सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले शॉर्ट्स, चिनो शॉर्ट्स ही हैं।

ऐसे करें टीमअपः यह कहना गलत नहीं होगा कि चिनो शॉर्ट्स पिछले कुछ समय से युवाओं की ग्लोबल फेवरेट बॉटम वियर बन गए हैं। इन्हें टैक्सीडो जैकेट और फ्लिप-फ्लॉप डेक शूज के साथ या फिर लूज टी-शर्ट या स्निकर के साथ टीमअप किया जा सकता है।

नॉर्मल शॉर्ट्स से हैं अलगः चिनो शॉर्ट्स के फैब्रिक और डिजाइन के कारण ये नॉर्मल-ट्रेडिशनल शॉर्ट्स से अलग होते हैं। वैसे तो नॉर्मल शॉर्ट्स की तरह चिनो शॉर्ट्स भी थिन कॉटन टवील फैब्रिक से बने होते हैं। लेकिन थोड़ी इलास्टिसिटी के लिए इनमें तीन से पांच फीसदी तक नॉनकॉटन मैटीरियल भी मिलाया जाता है।

होते हैं कंफर्टेबलः चिनो शॉर्ट्स कई देशों समेत अपने देश में भी इसलिए तेजी से पॉपुलर हो रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में हमारी त्वचा को जब चिपचिपाहट और उसम के कारण अनकंफर्टेबल फील होता है, तब चिनो शॉर्ट्स वियर करना बहुत कंफर्टेबल लगता है। चिनो शॉर्ट्स का लाइट और सॉफ्ट फैब्रिक न सिर्फ घर में फुर्सत के समय बल्कि सफर के दौरान भी पहनना आरामदायक होता है। चिनो शॉर्ट्स पहनने में जो बात सबसे अच्छी महसूस होती है, वह होती है फ्री बॉडी मूवमेंट। इसे पहनकर आप आराम से किसी भी दिशा में झुक सकते हैं, मूव कर सकते हैं। ये

बिल्कुल शरीर की गतिविधियों के मुताबिक अपने आप एडजस्ट हो जाते हैं। इसलिए इन्हें पहनने में सुविधा महसूस होती है। चिनो शॉर्ट्स का डिजाइन भी अट्रैक्टिव होता है। इसलिए इसे पहनकर स्मार्ट फीलिंग भी आती है।

जब सेलेक्ट करें शॉर्ट्सः इन दिनों गर्मी का मौसम है। इस दौरान अगर आप चिनो शॉर्ट्स पहनना चाहते हैं तो इन्हें खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि वे कॉटन फैब्रिक के ही बने हों। एक और बात ध्यान रखनी चाहिए कि शॉर्ट्स बहुत लूज या बहुत हैवी नहीं होने चाहिए। पहनने में आपको कंफर्टेबल फील होना चाहिए। अगर घूमने, फिरने के दौरान शॉर्ट्स पहनना चाहते हैं तो ध्यान रखें ये थिन, लूज और कैजुअल बीच शॉर्ट्स होने चाहिए। वैसे चिनो शॉर्ट्स ज्यादातर गर्मियों में पहने जाते हैं, लेकिन 12 से 30 सेंटीमीटर लंबे ये शॉर्ट्स किसी भी अन्य मौसम में भी पहने जा सकते हैं। *